दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। गुरुवार 28 नवंबर-2024 | ● वर्ष : 9 अंक : 335 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

जारी है गाजियाबाद कचहरी में अधिवक्ताओं का द्वंद्व

शबनम खान बनी कार्यवाहक अध्यक्ष और बंद कर दिये गये जिला कोर्ट के मुख्य गेट बंद

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गाजियाबाद कोर्ट में अधिवक्ताओं का आंदोलन जारी है। ये विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को भी गाजियाबाद कोर्ट परिसर में अधिवक्ताओं ने जमकर हंगामा किया। बताते हैं कि बुधवार को एक बड़ा फेरबदल हुआ और एक अप्रत्याशित घटनाक्रम ने बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी में शबनम खान को बार का कार्यवाहक अध्यक्ष बना दिया।

शबनम खान वर्तमान में गाजियाबाद बार एसोसिएशन में वरिष्ठ उपाध्यक्ष हैं और कपिल त्यागी कनिष्ठ उपाध्यक्ष थे। अधिवक्ताओं ने बुधवार की सुबह कचहरी पहुंचने के बाद हंगामा करना शुरू किया और सैकड़ों की संख्या में वकीलों ने एकत्र होकर जिला कोर्ट के मुख्य गेटों को बंद कर दिया और परिसर के अंदर हंगामा शुरू कर दिया। कोर्ट में मौजूद सभी वादी और परिवादियों को बाहर निकाल दिया गया। इसके अलावा बार रूम के बाहर भी वकील धरना दे रहे थे।

हड़ताल स्थगित करने के फैसले पर नाराज थे युवा वकील

गौरतलब है कि बार एसोसिएशन गाजियाबाद ने 26 नवंबर से हड़ताल स्थगित करने का फैसला किया था, लेकिन इस निर्णय से युवा वकील भड़क गए और उन्होंने जमकर हंगामा किया और कामकाज ठप कर दिया। अधिवक्ता इतने नाराज थे कि उन्होंने बार पदाधिकारियों का पुतला जलाकर विरोध किया। प्रदर्शन कर रहे वकीलों का ये आरोप है कि हड़ताल वापस लेने का निर्णय पूरी तरह से एकतरफा है इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जब तक नहीं होगा जिला जज का तबादला तब तक नहीं होने देंगे कोर्ट में कामकाज

अधिवक्ताओं ने आंदोलन छेड़ दिया है और उनका ये कहना है कि जब तक जिला जज का ट्रांसफर नहीं होगा तब तक कोर्ट में कामकाज नहीं होने दिया जाएगा। अधिवक्ता इससे कम किसी भी बात पर राजी नहीं हैं। वहीं एक सभा आज बुलाने की बात कही गई है। कार्यवाहक अध्यक्ष शबनम खान, कपिल त्यागी, दीपक त्यागी व संदीप सिंह के संयुक्त हस्ताक्षर से जारी किए गए पत्र में कल सभा बुलाने की बात कही गई है। वहीं अधिवक्ता राकेश त्यागी निवाड़ी का अनशन भी जारी है। उनके अनशन स्थल पर भी भारी संख्या में वकील मौजूद रहे।

दीपक शर्मा ने किया जानकारी होने से इनकार

बार अध्यक्ष दीपक शर्मा ने कार्यकारिणी के किसी निर्णय या कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किये जाने के बारे में कोई जानकारी होने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि उनके पास इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। दीपक शर्मा ने कहा कि हड़ताल वापस लेने का फैसला सर्वसम्मति से लिया गया था। यह अधिवक्ताओं के हित को ध्यान में रखकर लिया गया था।

महिला आयोग की सदस्य मिनाक्षी भराला के जेल निरीक्षण से हुआ खुलासा

नहीं मिल रही महिला कैदियों को लंबे समय से जमानत, शासन में रखेंगी बात

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। राज्य महिला आयोग की सदस्य मिनाक्षी भराला गाजियाबाद आईं। उनकी अध्यक्षता में पहले बैठक हुई, जनसुनवाई हुई और फिर जेल का निरीक्षण हुआ। सबसे खास बात ये थी कि जब राज्य महिला आयोग की सदस्य मिनाक्षी भराला जिला कारागार में पहुंची तो एक बड़ा खुलासा महिला कैदियों की जमानत को लेकर हुआ। मिनाक्षी भराला ने महिला बंदियों से वार्ता की और इस वार्ता में महिला बंदियों ने बताया कि उन्हें लंबे समय से जमानत नहीं मिल रही है। उनकी जमानत अर्जी कोर्ट में लंबित है। ये एक गंभीर मामला आयोग की सदस्य ने माना और उन्होंने जेल अधीक्षक को निर्देशित किया कि इन महिलाओं की जमानत के संबंध में कोर्ट से संपर्क कर प्रभावी कार्यवाही कराएं।

यह अधिकारी रहे निरीक्षण और बैठक में मौजूद

राज्य महिला आयोग की सदस्य मिनाक्षी भराला ने जब निरीक्षण किया और बैठक की तो इस दौरान सिटी मजिस्ट्रेट डॉ. संतोष कुमार उपाध्याय, डिप्टी कलेक्टर निखिल चक्रवर्ती, एसीपी प्रिय श्रीपॉल, प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमित विक्रम, जेल अधीक्षक सीताराम शर्मा, डिप्टी जेलर ब्रजेश पांडेय तथा जिला सूचना अधिकारी योगेंद्र प्रताप सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहे।

170 महिलाएं हैं जेल में बंद दस बच्चे भी रहते हैं उनके साथ

राज्य महिला आयोग की सदस्य मिनाक्षी भराला जिला कारागार पहुंची और यहां उन्होंने महिला बैरक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय महिला बैरक में 170 महिलाएं पाई गई। ये महिलाएं जेल में रहती हैं और इन महिला कैदियों के साथ दस बच्चे भी रहते हैं। निरीक्षण में महिलाओं की आवासीय व्यवस्था उचित पाई गई और महिला बंदियों के साथ रह रहे बच्चों के लिये संचालित क्रेच का भी निरीक्षण किया गया। जिसकी साफ- सफाई व खेलकूद का सामान संतोषजनक पाया गया। जेल अधीक्षक द्वारा बताया गया कि कारागार में महिला बंदियों के लिये सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण संचालित है और महिला बंदियों के लिये ब्यूटीशियन का कोर्स भी जल्द शुरू किया जाएगा।

पात्र महिलाएं ना रहे किसी योजना से वंचित, महिलाओं को मिले अधिकार: मिनाक्षी भराला

जेल निरीक्षण के उपरांत राज्य महिला आयोग की सदस्य मिनाक्षी भराला द्वारा सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। सिद्धार्थ विहार गंगाजल गेस्ट हाउस के निरीक्षण भवन में मिनाक्षी भराला द्वारा बैठक व जनसुनवाई कार्यक्रम किया गया और संबंधित विभागों की योजनाओं की समीक्षा बैठक की गई। जनसुनवाई कार्यक्रम में 15 महिलाओ की शिकायतों पर जनसुनवाई की गई। जिसमें चार मामलों में मिनाक्षी भराला द्वारा सीधे विभाग अध्यक्षों से वार्ता कर निस्तारण कराने के निर्देश दिये गये। अन्य मामलों में संबंधित विभागों शिकायतों का त्वरित निस्तारण कर उसकी रिपोर्ट महिला आयोग को भेजने के निर्देश दिये गये। मिनाक्षी भराला ने कहा कि पात्र महिलाएं किसी योजना से वंचित ना रहे और उन्हें शतप्रतिशत अधिकार दिलाए जाएं। महिलाओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी महिलाओं के मान सम्मान का ध्यान रखें।

गाजियाबाद में अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार, 25 लाख का माल बरामद

झारखंड से लाकर दिल्ली एनसीआर में करता था सप्लाई

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद क्राइम ब्रांच ने एक ऐसे तस्कर को गिरफ्तार किया है। वह झारखंड से अफीम लाकर दिल्ली एनसीआर हरियाणा और पंजाब में सप्लाई करता था। हर चक्कर के तस्कर को 20 हजार रुपए मिला करते थे।

पुलिस ने इसके कब्जे से 1.054 किलोग्राम अफीम बरामद की है पुलिस के मुताबिक इसकी कीमत 25 लाख रुपए है।

तस्कर ज्ञानचंद यादव ने बताया है कि वह झारखंड के पलामू जिले का रहने वाला है तथा हाई स्कूल पास है। घर पर थोड़ी बहुत खेती बाड़ी है कभी कभार वह मजदूरी का काम करता था जिससे परिवार का गुजर बसर नहीं होता था। -एडीसीपी क्राइम ब्रांच सच्चिदानंद

रुपए का दिया था लालच

करंट क्राइम। गाजियाबाद में एडीसीपी क्राइम ब्रांच सच्चिदानंद ने बताया कि तस्कर ज्ञानचंद यादव ने बताया है कि वह झारखंड के पलामू जिले का रहने वाला है तथा हाई स्कूल पास है।

घर पर थोड़ी बहुत खेती बाड़ी है कभी कभार वह मजदूरी का काम करता था जिससे परिवार का गुजर बसर नहीं होता था।

इसी दौरान उसकी मुलाकात गांव के रहने वाले ही पिंटू यादव से हुई। जिसने उसे ऑफर दिया कि अगर वह अफीम को झारखंड से दिल्ली एनसीआर हरियाणा और पंजाब लेकर जाएगा तो हर चक्कर पर उसे 20000 रुपए मिलेंगे। इस पर ज्ञान तैयार हो गया और वह इसकी तस्करी करने लगा।

पुलिस को ज्ञानचंद ने बताया कि जब वह माल लेकर चलता तो किसी से संपर्क नहीं करता था एक तयशुदा जगह पर उसकी डिलीवरी देनी होती थी।

डिलीवरी दिल्ली बॉर्डर पर हुआ करती थी आरोपी के मुताबिक कुछ दिनों में दिल्ली एनसीआर में अफीम की डिमांड बड़ी है वह पिछले 1 साल से इस काम को कर रहा है।

क्या नगर निगम में गूंजने वाली है फिर से मॉल पर टैक्स वसूली वाली आवाज निगम अधिकारियों ने नहीं दिया है अभी तक मेयर को जवाब

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम में उपचुनाव के दौरान शांति छाई हुई थी मगर अधिसूचना समाप्त होने के बाद निगम में फिर से घमासान के सीन बताए जा रहे हैं। सूत्र बता रहे हैं कि नगर निगम में फिर से टैक्स वसूली की आवाज गूंजने वाली है। मामला मेयर से जुड़ा बताया जाता है और ये बताया जाता है कि मेयर ने जिस टैक्स प्रणाली को लेकर सवाल उठाया था और कुछ बिंदुओं पर जवाब मांगा था वो जवाब मेयर को अभी तक नहीं मिला है। ऐसे में सूत्र बता रहे हैं कि मेयर सुनीता दयाल कभी भी शॉपिंग मॉल्स पर आ सकती हैं और टैक्स वसूली का मुद्दा उठा सकती है और यहां इसी बात को लेकर अधिकार सिद्ध हो सकता है।

दो महीने पहले मेयर ने उठाया था टैक्स को लेकर सवाल

निगम सूत्र बताते हैं कि मेयर सुनीता दयाल ने लगभग दो महीने पहले ये सवाल उठाया था, वो अचानक ही फील्ड में आ गई थी और उन्होंने शहर के पांच बड़े शॉपिंग मॉल में छापा मारा था। उन्होंने इस मॉल्स की टैक्स से जुड़ी जानकारी ली थी और कमियां पकड़ी थीं। मेयर ने तब ये कहा था कि टैक्स की वसूली को लेकर खेला हो रहा है। उन्होंने कहा था कि टैक्स से जुड़े अधिकारी कर वसूली में पैमाइश का खेल कर रहे हैं। इसका असर जनता पर पड़ता है और कई बड़े मॉल्स को छूट मिलती है और जनता पर कर का अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इसके बाद मेयर ने कर वसूली से जुड़े अधिकारियों को पत्र लिखा था लेकिन सूत्र बताते हैं कि इस मामले में अधिकारियों ने कोई रिपोर्ट नहीं दी है और मेयर के निशाने पर टैक्स विभाग के अधिकारी अए गए हैं।

ना पत्र पर किया है गौर और पत्रावली भी दी है छोड़

सूत्र बताते हैं कि मेयर सुनीता दयाल ने जो पत्र दो महीने पहले लिखा था उस पर कोई गौर नहीं हुआ है। मेयर ने जो पत्रावली तलब की थी वो भी नहीं मिली है। मेयर ने कहा था कि निगम कॉमर्शियल सम्पत्ति पर कर वसूलता है और उन्होंने टैक्स से जुड़ी एक रिपोर्ट मांगी थी। पत्रावली तलब की थी लेकिन सूत्र बताते हैं कि ना तो मेयर के पत्र पर गौर हुआ है और ना ही पत्रावली मेयर को दिखाई गई है। मेयर तक कोई रिपोर्ट तक नहीं पहुंची है।

निगम नहीं हैं शांत, हाउस टैक्स को लेकर होगा घमासान

सूत्र बताते हैं कि नगर निगम ने टैक्स को लेकर सीन शांत नहीं चल रहा है। एक तरफ जहां मॉल्स की वसूली का मामला है वहीं आरडीसी की संपत्तियां भी घेरे में हैं। वहीं इस बार हाउस टैक्स को लेकर निगम के हाउस में घमासान हो सकता है। इसकी शुरूआत भी हो चुकी है और सूत्र बताते हैं कि निगम कार्यकारिणी के प्रस्ताव के बाद भी अधिकारियों ने अपना प्रस्ताव भेजा है और टैक्स बढ़ा चुका है। ये वही टैक्स है जिसे लेकर निगम अधिकारियों ने मुनादी की थी और मेयर ने जनता से ये अपील की थी कि अभी टैक्स ना दें। अब जब सदन शुरू होगा तो ये मुद्दा सामने आएगा और शहर के बाई इलेक्शन के बाद एक बड़ा रिएक्शन नगर निगम में देखने को मिलेगा और हाउस टैक्स को लेकर घमासान हो सकता है।

गाजियाबाद नगर निगम
ईमानदारी • सत्यनिष्ठा • कर्तव्यपरायणता

सांसद अतुल गर्ग जानते हैं कैसे बनाया जाता है अपनेपन का माहौल साबरमती एक्सप्रेस दिखाने के लिए आज बुक कर दिया है पूरा हॉल

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग को शब्द मैजेशियन ऐसे ही नहीं कहा जाता है। वो माहौल बनाना जानते हैं और वो जानते हैं कि अपनों के बीच कैसे रहना है। लोकसभा सांसद बनने के बाद लगातार कई संदेश दिये हैं। जो सियासत को जानते हैं वो इन संदेशों को समझ रहे हैं और ये संदेश सीधा सा है कि आपका सांसद आपके बीच में है। सांसद अतुल गर्ग जानते हैं कि माहौल कैसे बनाना है और इसके लिए वो हकीकत से लेकर फिल्म को लेकर आते हैं। इन दिनों साबरमती एक्सप्रेस सुर्खियों में है। मतदान के बाद अगले दिन भगवा कमांडर ने ये फिल्म भाजपा कार्यकताओं को दिखाई। अब लोकसभा सांसद अतुल गर्ग अपने साथियों के साथ अपने कार्यकताओं के साथ इस फिल्म को देखेंगे। साबरमती एक्सप्रेस फिल्म के लिये सांसद अतुल गर्ग ने ऑप्यूलेंट मॉल का वो पूरा हॉल बुक किया है जहां ये फिल्म लगी हुई है। आज यानी गुरुवार को लोकसभा सांसद अतुल गर्ग भाजपा कार्यकताओं के साथ साबरमती एक्सप्रेस देखेंगे। बताया जाता है कि उन्होंने अपने सभी मित्रों और शहर के पत्रकारों को भी आमंत्रित किया है।

संभल हिंसा में गिरफ्तार 27 में से 25 आरोपियों को भेजा गया जेल, अन्य 2 से पुलिस हिरासत में पूछताछ जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में हाल ही में हुई हिंसा के मामले में पुलिस ने अब तक 27 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों में से 25 को कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया गया है, जबकि 2 अन्य आरोपियों को पुलिस हिरासत में रखा गया है। इस हिंसा में कई लोग घायल हुए थे और सार्वजनिक संपत्ति को भी नुकसान हुआ था।

आपको बता दें कि संभल जिले के एक इलाके में दो गुटों के बीच विवाद बढ़ने के बाद हिंसा भड़क गई थी। आरोप है कि इन गुटों के लोग एक-दूसरे पर पत्थर फेंक रहे थे और तोड़फोड़ कर रहे थे, जिससे कई लोग घायल हो गए। इस घटना के बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू की और आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी की प्रक्रिया तेज कर दी।

पुलिस ने कार्रवाई कर 27 लोगों को किया गिरफ्तार

पुलिस ने 27 लोगों को गिरफ्तार किया और सभी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। इनमें से 25 आरोपियों को न्यायालय ने जेल भेज दिया, जबकि दो को और पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और हिंसा में शामिल बाकी लोगों की पहचान भी की जा रही है।

प्रशासन की नागरिकों से अपील- शांति बनाए रखें और अफवाहों से बचें : इस हिंसा के बाद जिला प्रशासन और पुलिस ने इलाके में शांति बनाए रखने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत कर दिया है। अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और गश्त भी बढ़ा दी गई है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे शांति बनाए रखें और किसी भी प्रकार की अफवाहों से बचें। वहीं इस पूरे मामले पर पुलिस और प्रशासन का कहना है कि किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने पार्थ चटर्जी की जमानत को लेकर ईडी से पूछे सवाल, कहा- बिना ट्रायल के हिरासत में कब तक...

नई दिल्ली। बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी दो साल से अधिक समय से राज्य स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) भर्ती घोटाले मामले में जेल में बंद हैं। ऐसे में, चटर्जी की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा सवाल उठाया। उसने ईडी से पूछा कि आरोपी को बिना ट्रायल के लंबे समय तक हिरासत में कब तक रखा जा सकता है?

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि चटर्जी दो साल चार महीने से जेल में बंद हैं और मामले की सुनवाई अभी शुरू नहीं हुई है।

'दो साल से अधिक समय से जेल में बंद' : न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि चटर्जी दो साल चार महीने से जेल में बंद हैं और मामले की सुनवाई अभी शुरू नहीं हुई है।

हम कब तक रख सकते हैं जेल में: पीठ - पीठ ने ईडी का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से पूछा, 'अगर हम जमानत नहीं देंगे तो क्या होगा? सुनवाई अभी शुरू होनी है, मामलों में 183 गवाह हैं। ट्रायल में समय लगेगा। हम उन्हें कब तक रख सकते हैं? यही सवाल है। यहां एक ऐसा मामला है जहां दो साल से अधिक समय बीत चुका है। ऐसे मामले में संतुलन कैसे बनाया जाए।'

शीर्ष अदालत ने कहा कि इस बात को भी नजरअंदाज नहीं कर सकते कि पूर्व मंत्री के खिलाफ आरोप गंभीर प्रकृति के हैं। पीठ ने एसजी से पूछा, 'अगर अंत में उन्हें दोषी नहीं ठहराया जाता है, तो क्या होगा? ढाई से तीन साल तक इंतजार करना कोई छोटी अवधि नहीं है। आपकी दोषसिद्धि दर क्या है? अगर सजा की दर 60-70 फीसदी होती तो समझ में आता है लेकिन सजा की दर बहुत कम है।'

चटर्जी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने बताया कि 73 साल के पूर्व मंत्री कई बीमारियों से पीड़ित हैं। उन्हें 23 जुलाई, 2022 को गिरफ्तार किया गया था और तब से वह जेल में थे। अब इस मामले में अगली सुनवाई दो दिसंबर को की जाएगी और इसके बाद सुप्रीम कोर्ट जमानत पर अपना आदेश जारी करेगी।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ चटर्जी द्वारा पश्चिम बंगाल में सहायक प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती में रिश्वतखोरी के आरोपों पर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही है। सुनवाई के दौरान चटर्जी की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कहा, याचिकाकर्ता जमानत चाहता है और उसे 23 जुलाई 2022 को गिरफ्तार किया गया था। मामले में अभी तक ट्रायल शुरू नहीं हुआ है। इस केस में 183 गवाह हैं और चार पूरक अभियोजन शिकायतें हैं। उनकी उम्र 73 साल है। वह एक मंत्री थे जिन पर नकदी के लिए नौकरी के मामले में आरोप लगाया गया था। पीएमएलए के तहत कारावास की अवधि सात साल हो सकती है और उन्होंने ढाई साल जेल में बिताए हैं।

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, 'हम उनको कितने समय तक सलाखों के पीछे रख सकते हैं। यह ऐसा मामला है जिसमें करीब दो साल चार महीने बीत चुके हैं और सुनवाई शुरू होने में भी समय लगता है। हम जानते हैं कि यह आपके लिए एक बहुत बड़ा और मैराथन काम है। हम इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि आरोप बहुत गंभीर हैं और मंत्री नकद ले रहे हैं।'

बिना ऑक्सीजन वाली एंबुलेंस! स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही लील गई जिंदगी

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर घर में स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही एक महिला की जिंदगी की भारी पड़ी। दरअसल गर्भवती महिला को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन जिस एंबुलेंस में उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था, उसमें ऑक्सीजन की सुविधा ही नहीं थी, जिसके चलते रास्ते में तबीयत बिगड़ने पर महिला की मौत हो गई। पालघर के सिविल सर्जन डॉ. रामदास मराड ने कहा कि प्रशासन द्वारा लगातार एंबुलेंस में कमियों का मामला उठाया जा रहा है, लेकिन अभी तक इस मामले में कुछ नहीं हुआ है।

क्या है पूरा मामला

पालघर के सरनी गांव की निवासी पिंकी दोंगारकर गर्भवती थी और मंगलवार शाम को अचानक से उसकी तबीयत खराब हो गई। इस पर परिजन पिंकी को लेकर कासा ग्रामीण अस्पताल पहुंचे, लेकिन हालत खराब होने पर कासा ग्रामीण अस्पताल के चिकित्सकों ने उसे नजदीक के केंद्र शासित प्रदेश दादर और नगर हवेली और दमन और दीव के सिलवासा शहर के अस्पताल ले जाने की सलाह दी।

महिला के परिजनों ने 108 नंबर पर कॉल करके एंबुलेंस बुलाने की कोशिश की, लेकिन वहां से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद परिजन कासा ग्रामीण अस्पताल की एंबुलेंस से ही मरीज को लेकर निकले। हालांकि उस एंबुलेंस की स्थिति ये थी कि उसमें ऑक्सीजन की भी सुविधा नहीं थी। इसका नतीजा ये हुआ कि जब रास्ते में पिंकी की तबीयत बिगड़ी तो ऑक्सीजन न होने के चलते उसकी रास्ते में ही मौत हो गई।

प्रदूषण की अनसुलझी शिकायत में दिल्ली अव्वल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली समेत एनसीआर में बीते एक महीने से प्रदूषण का स्तर बेहद खतरनाक बना हुआ है। देश में सबसे ज्यादा प्रदूषण इस क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। इस बीच वायु प्रदूषण की अनसुलझी शिकायतों के मामले में राजधानी दिल्ली पहले स्थान पर नजर आ रही है। समीर ऐप से दिल्ली में 15 अक्टूबर, 2021 से 19 नवंबर, 2024 तक कुल 6,170 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से अभी भी 2,333 शिकायतें लंबित हैं। वहीं दूसरी तरफ राजस्थान में कई लंबित शिकायतें हैं। यह लंबित मामलों के प्रतिशत के मामले में दिल्ली से भी आगे है। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों में भिवाड़ी और अलवर की शिकायतें भी शामिल हैं। अलवर केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव का संसदीय क्षेत्र है।

दिल्ली में वायु प्रदूषण की शिकायतों का समाधान करने के मामले से सबसे खराब प्रदर्शन करने वालों में दिल्ली जल बोर्ड और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) थे। दिल्ली जल बोर्ड को 188 शिकायतें मिली थीं और वह इसमें से 64 फीसदी का समाधान करने में विफल था। इसी तरह, एमसीडी को 4,353 शिकायतें मिली थीं और 47 फीसदी शिकायतें हल नहीं हुई थीं।

दरअसल, सरकार ने समीर ऐप, वायु प्रदूषण से जुड़ी जानकारी देने और शिकायत करने के लिए बनाया गया है।

संभल हिंसा में सनसनीखेज खुलासा : अफसरों के सामने महिलाओं ने किया था पथराव, निशाने पर थे डीआईजी-डीएम और एसपी

संभल। संभल हिंसा के बाद जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। पीआरओ और दो अन्य सिपाहियों पर हमले की सूचना पर पहुंचे डीआईजी, डीएम और एसपी पर सबसे पहले महिलाओं ने पथराव किया था। इसके बाद अन्य लोगों ने भी पत्थर फेंके थे।

यह बात अधिकारियों ने प्रेसवार्ता के दौरान बताई। कहा कि हिंदूपुरा खेड़ा में जब वह फोर्स के साथ पहुंचे थे तो तीन महिलाओं ने छतों से पुलिस पर पथराव किया। इसके अलावा अन्य लोग भी छतों से पथराव कर रहे थे। इसलिए तीन महिलाओं को भी

गिरफ्तार किया गया। एसपी ने बताया कि कई स्थानों पर लगे सीसीटीवी फुटेज की डीवीआर भी नहीं मिली है।

एसपी ने कहा कि उपद्रवियों की पहचान कराई जा रही है। पुलिस प्रशासन की ओर से 11 वीडियो जारी

किए गए हैं। इसमें पांच वीडियो ड्रोन कैमरे, तीन कैमरे और तीन सीसीटीवी कैमरों के वीडियो हैं। इसमें उपद्रवी सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। सीसीटीवी कैमरे में कैद उपद्रवियों के चेहरे साफ भी दिखाई दे रहे हैं और मास्क भी लगाया हुआ है।

यह उपद्रवी बवाल से पहले कैमरों को क्षतिग्रस्त करते हैं और फिर बवाल करते हैं। ड्रोन कैमरे भी तोड़ने के लिए पथराव किया लेकिन कैमरे तक पत्थर नहीं पहुंचा। अलग अलग वीडियो में अलग चेहरे दिखाई दे रहे हैं।

यह वीडियो जामा मस्जिद के आसपास के हैं। एसपी ने बताया कि सभी चेहरों की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। बवाल से पहले सीसीटीवी कैमरे तोड़ने से पूरी आशंका है कि घटना सुनियोजित तरीके से अंजाम दी गई है।

व्यापार मेले में चोरी: मैनेजर ने चुराया 50 मिलियन साल पुराना गैस्ट्रोपॉड जीवाश्म

नई दिल्ली। भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला थाना पुलिस ने व्यापार मेले से पुरानी कलाकृति (गैस्ट्रोपॉड जीवाश्म) को चुराने वाले आरोपी मैनेजर मनोज कुमार को गिरफ्तार किया है। गैस्ट्रोपॉड जीवाश्म को 50 मिलियन वर्ष पुराना बताया जा रहा है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने इसे व्यापार मेले में अपनी स्टॉल पर प्रदर्शनी के लिए रखा हुआ था। आरोपी मनोज कुमार क्राउन प्लाजा, नोएडा में रिसीविंग एग्जीक्यूटिव के रूप में कार्यरत है। बताया जा रहा है कि वह अच्छा लगने पर शौक के चलते घर में रखने के लिए चुरा कर लिया था। ये भी कहा जा रहा है कि उसने महंगे दामों पर बेचने लिए ये हाईप्रोफाइल चोरी की थी।

व्यापार मेल के पुलिस उपायुक्त सुमित कुमार झा ने बताया कि भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के कर्मचारियों ने हॉल नंबर-4 में स्थित खान मंत्रालय के मंडप में अपने स्टॉल से 50 मिलियन वर्ष पुराने गैस्ट्रोपॉड जीवाश्म के चोरी होने की शिकायत 21 नवंबर को दर्ज कराई थी। मामला दर्ज कर आईआईटीएफ थाना प्रभारी इंस्पेक्टर राजेश कुमार की देखरेख में एसआई विपिन त्यागी, एसआई गुलाब, हवलदार जय प्रकाश, अजय व सिपाही दिनेश की टीम ने जांच शुरू की। उपायुक्त सुमित झा ने जांच पर खुद नजर रखी।

आरोपी मैनेजर को ऐसे किया गया गिरफ्तार : एसआई विपिन त्यागी की टीम ने घटनास्थल और आस-पास के स्टॉल/मंडप/हॉल में लगे 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। उन्होंने आरोपी की पहचान की और नोएडा के सेक्टर 22 छापेमारी कर सेक्टर-22, नोएडा, उत्तर प्रदेश निवासी मनोज कुमार मिश्रा (49 वर्ष) पुत्र हरेंद्र मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया। उसे मंगलवार को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जीवाश्म बरामद किए गए

पूछताछ करने पर आरोपी ने मैनेजर ने चोरी की बात कबूल कर ली और उसके कब्जे से गैस्ट्रोपॉड जीवाश्म बरामद किया गया। गैस्ट्रोपॉड जीवाश्म का वजन 1 किलोग्राम (आयाम: लंबाई-14 सेमी, चौड़ाई-10 सेमी और ऊंचाई-12 सेमी) है। साथ ही आरोपी के कब्जे से व्यापार मेले का 21 नवंबर का टिकट भी जब्त किया गया है।

आरोपी विभिन्न कलाकृतियों में गहरी रूचि रखता है : पुलिस उपायुक्त झा ने बताया कि मनोज कुमार मिश्रा क्राउन प्लाजा, नोएडा का कर्मचारी है और विभिन्न कला रूपों में गहरी रुचि रखने वाले व्यापार मेले में नियमित रूप से आता है।

झांसी मेडिकल कॉलेज अग्निकांड पर बड़ी कार्रवाई, प्रधानाचार्य को हटाया, तीन निलंबित

लखनऊ। झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में हुए अग्निकांड में शिशुओं की मौत के मामले में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बड़ी कार्रवाई की है। डिप्टी सीएम के निर्देश पर गठित चार सदस्यीय कमेटी की जांच रिपोर्ट के आधार पर कॉलेज के प्रधानाचार्य को हटा दिया गया है साथ ही कॉलेज के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को आरोप पत्र एवं तीन अन्य को निलंबित किया गया है।

झांसी मेडिकल कॉलेज में हुई हृदय विदायक घटना को लेकर सरकार बेहद संवेदनशील है। पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद उपलब्ध कराई गई है।
डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया कि झांसी मेडिकल कॉलेज में हुई हृदय विदायक घटना को लेकर सरकार बेहद संवेदनशील है। पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण महानिदेशक किंजल सिंह के नेतृत्व में चार सदस्यी जांच कमेटी का गठन गया था। जांच रिपोर्ट के आधार पर कॉलेज के कार्यवाहक प्रधानाचार्य डॉ. नरेंद्र सिंह सेंगर को पद से हटा दिया गया है। उन्हें चिकित्सा शिक्षा विभाग के महानिदेशालय से संबद्ध किया गया है साथ ही मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सचिन माहुर को आरोप पत्र दिया गया है। वहीं, कॉलेज के अवर अभियन्ता (विद्युत) संजीत कुमार, एनआईसीयू वार्ड की नर्सिंग सिस्टर इंचार्ज संध्या राय एवं मेडिकल कॉलेज की प्रमुख अधीक्षक डॉ. सुनीता राठौर को तत्काल निलम्बित करते हुए आरोप पत्र दिया गया।

कमिश्नर स्तर से भी जांच के निर्देश : कॉलेज में बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. ओम शंकर चौरसिया, सर्जरी विभाग के सह-आचार्य डॉ. कुलदीप चंदेल व विद्युत प्रभारी अधिकारी को आरोप पत्र देकर उनकी भूमिका की जांच के लिए मण्डलायुक्त झांसी को जांच अधिकारी बनाया गया।

यह थी घटना

15 नवम्बर को कॉलेज के एनआईसीयू वार्ड में आग लगने से दस बच्चों की मृत्यु हो गई थी। हादसे के तुरंत बाद डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक घटनास्थल पर पहुंचे थे और पीड़ित परिवारों को सांत्वना दी थी साथ ही दोषियों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया था।

नशा मुक्त अभियान

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नारी जागरण विकास संस्थान नशा मुक्त भारत की अध्यक्ष लज्जा यादव ने कौशांबी में एक बुजुर्ग को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भेजा। उन्होंने बताया कि 76 वर्षीय बुजुर्ग कोलकाता के रहने वाले हैं और शराब पीने के आदी हैं। नशा करने के कारण उनकी हालत खराब हो गई। वो सड़क पर बेसुध मिले। सूचना मिलने पर संस्था द्वारा उन्हें एम्बुलेंस बुलाकर उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

लोगों ने चाहा तो एक दिन मैं भी संसद में होऊंगा
प्रियंका गांधी की जीत पर बोले रॉबर्ट वाड्रा

नई दिल्ली। प्रियंका गांधी की वायनाड से जीत पर उनके पति रॉबर्ट वाड्रा ने खुशी जाहिर की। साथ ही खुद भी सांसद बनने की इच्छा जाहिर की। वाड्रा ने कहा कि अगर देश की जनता ने चाहा तो एक दिन वह भी संसद पहुंचेंगे। उल्लेखनीय है कि प्रियंका गांधी कल यानी कि गुरुवार को संसद में शपथ ग्रहण करने वाली हैं। प्रियंका गांधी केरल के वायनाड से हालिया उपचुनाव जीतकर संसद पहुंची हैं।

संसद में कांग्रेस की मदद करेंगी प्रियंका गांधी

रॉबर्ट वाड्रा ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि 'लोगों को विश्वास था कि प्रियंका गांधी बड़े अंतर से चुनाव जीतेंगी। मैं वायनाड के लोगों को शुक्रिया कहना चाहता हूं कि उन्होंने प्रियंका का समर्थन किया। मैं हमेशा से चाहता था कि प्रियंका संसद पहुंचें और

आज वो सौभाग्यशाली दिन आ गया है।

लोग बहुत खुश हैं और उन्हें विश्वास है कि वे उनके अधिकारों के लिए लड़ेंगी। वे संसद में राहुल और पार्टी की मदद करेंगी।' रॉबर्ट वाड्रा ने खुद भी चुनावी राजनीति में उतरने की मंशा जाहिर की और कहा कि 'अगर लोगों को लगेगा कि मैं भी बदलाव ला सकता हूं तो संभवतः एक दिन मैं भी संसद पहुंच जाऊंगा।'

कांग्रेस नेताओं ने प्रियंका गांधी को सौंपा निर्वाचन प्रमाण पत्र : वायनाड कांग्रेस के नेताओं ने बुधवार को प्रियंका गांधी को वायनाड संसदीय सीट से जीत का निर्वाचन प्रमाण पत्र सौंपा। प्रियंका गांधी गुरुवार को सांसद के रूप में शपथ ले सकती हैं। निर्वाचन प्रमाण पत्र मिलने के अवसर पर राहुल गांधी प्रियंका गांधी को मिठाई खिलाते नजर आए। प्रियंका गांधी ने वायनाड के लोगों के अपार समर्थन और विश्वास के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया।

साथ ही उन्होंने चुनाव के दौरान कांग्रेस नेताओं के अथक प्रयासों के लिए उनकी तारीफ की। प्रियंका गांधी ने वायनाड लोकसभा उपचुनाव में चार लाख से अधिक मतों के भारी अंतर से जीत हासिल की है, जो उनके भाई राहुल गांधी के 2024 के लोकसभा चुनावों में जीत के अंतर से भी अधिक है।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, गाजियाबाद।

पत्रांक : मु०चि०अ०/टेण्डर/2024 दिनांक : 26.11.2024

ई-निविदा सूचना

कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, गाजियाबाद के अधीन निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इस हेतु ई-निविदा तकनीकी एवं वित्तीय ऑफर (बिड) दिनांक 28.11.2024 को प्रातः 10:00 बजे से दिनांक 20.12.2024 को अपराह्न 4:00 बजे तक वांछित निविदा प्रपत्र शुल्क जमा करते हुए एवं वांछित अग्रिम धरोहर राशि रू0 50500 मुख्य चिकित्सा अधिकारी, गाजियाबाद के पक्ष में बन्धक एफ०डी०आर० की छाया प्रति अपलोड करते हुए निविदा ऑन लाईन etender.up.nic.in पर अपलोड की जा सकती है। जो दिनांक 21.12.2024 को अपरान्ह 03:00 बजे निविदा समिति के समक्ष खोली जायेगी।

क्र0 सं0	सामग्री का नाम	अनुमानित लागत (लाख में) जी०एस०टी० सहित	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू० में)	अग्रिम धरोहर राशि (रू० में)
1	एन.पी.सी.बी. कार्यक्रम के अन्तर्गत औषधि एवं उपकरणों की आपूर्ति	50.00 लाख	7500	50500

किसी भी ई-निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। कार्य का विवरण, नियम व शर्ते etender.up.nic.in में देखी जा सकती है तथा कार्यालय से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

पत्रांक : मु०चि०अ०/टेण्डर/2024

मुख्य चिकित्सा अधिकारी
गाजियाबाद।

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
03 • नई दिल्ली। गुरुवार 28 नवंबर-2024 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

नगर निगम के वार्ड-19 वाले उपचुनाव में दावेदारी का नया मोड़

सुमन जाटव ने कहा- नए कार्यकर्ता को मिले इस बार टिकट

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम के वार्ड-19 में उपचुनाव होना है। गौरतलब है कि इस वार्ड की निगम पार्षद उर्मिला चौहान का निधन हो गया था। उनके निधन के बाद ये सीट रिक्त हुई थी। उर्मिला चौहान भाजपा नेता प्रदीप चौहान की पत्नी थी। उनके आकस्मिक निधन के बाद से ये सीट खाली चल रही थी। 17 दिसंबर को यहां चुनाव होना है। आमतौर पर भाजपा की लॉबी और वार्ड की एक बड़ी आबादी का ये मानना है कि यहां टिकट का आधार सिम्पैथी होना चाहिए क्योंकि कार्यकाल के दौरान ही भाजपा पार्षद उर्मिला चौहान की मृत्यु हुई उनका पूरा परिवार भाजपा से जुड़ा है और ऐसे में ये टिकट एक श्रद्धांजलि भी हो सकता है। मगर बताया जाता है कि वार्ड-19 की चुनावी दावेदारी में नया मोड़ आ गया है। राजनीति में सबकुछ एकतरफा नहीं होता है और यहां सीटिंग सीट पर भी दावेदारी अपनों की तरफ से होती है। मौजूदा के सामने दावेदारी होती है। जनरल वीके सिंह सांसद थे और उनके सामने दावेदारी हुई और ये वार्ड का चुनाव है तो दावेदारी का दौर भी आएगा। बताते हैं कि इस वार्ड के बाई इलेक्शन में दावेदारी का पहला रिएक्शन ही सुमन जाटव की ओर से आया है।

सुमन जाटव ने दावेदारी की है और कहा है कि नए कार्यकर्ता को मौका मिले और इस बार परिवार को कोई सदस्य नहीं होना चाहिए। सुमन जाटव ने अपने चुनावी बायोडेटा में अपना परिचय दिया है। वो एबीवीपी से जुड़ी रही हैं। भाजपा की अनुसूचित मोर्चे की प्रदेश कार्यकारिणी में और इसी मोर्चे की शहर प्रभारी भी हैं। उनका कहना है कि पार्टी में और भी कार्यकर्ता हैं। इसलिए नए को मौका मिलना चाहिए। चर्चा ये भी है कि इस बात को लेकर फेसबुक पर भी कमेंटवार शुरू हो चुकी है।

भाजपा सिम्पैथी के है साथ और प्रदीप चौहान का पुराना इतिहास

दावेदारी करना सभी का हक है और निर्णय संगठन को करना है। प्रदीप चौहान भाजपा के उस जमाने से कार्यकर्ता हैं जब यहां भाजपा को संघर्ष करना पड़ता था। वाल्मीकि समाज के इस भाजपाई चेहरे ने हर आंदोलन में भाग लिया है। संघर्ष किया है और उनका अपना एक पुराना इतिहास है। उनकी पत्नी का निधन हो गया और उसके बाद अब यहां वो चाहते हैं कि उनकी बेटी मानसी चौहान को वार्ड की सेवा का अवसर मिले। इसकी वजह भी कोई राजनीतिक या निगम में जाने की लालसा नहीं है। उन्होंने बताया कि जीवन के अंतिम क्षणों में उनकी पत्नी उर्मिला चौहान ने ये इच्छा व्यक्त की थी कि मेरे बाद मेरी बेटी वार्ड की सेवा के लिए आए। मानसी चौहान उच्च शिक्षित हैं और युवा चेरा है, वो भाजपा की मूल कार्यकर्ता है। ऐसे में भाजपा के कर्णधार भी ये मानकर चल रहे हैं कि भाजपा की अपनी नीति है और वो हमेशा सिम्पैथी फैक्टर को साथ लेकर चलती है। प्रदीप चौहान के परिवार का भाजपाई इतिहास है, उनका अपना इतिहास है और फैसला लेना भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के हाथ है।

ये हैं पिता के संस्कारों की धरोहर को सहेजकर रखने की परंपरा का नाम

पूर्व विधायक सुरेंद्र कुमार मुन्नी भूलते कभी भी अपने पिता स्व. प्यारेलाल शर्मा का सम्मान

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। ये सियासत नहीं है ये संस्कारों की विरासत है, ये एक परंपरा है और ये एक बेटे का अपने पिता के प्रति सम्मान भाव है। वर्ष गुजरे, दशक गुजरे और एक लंबा युग गुजरा है, मगर पूर्व विधायक सुरेंद्र कुमार मुन्नी अपने पिता स्व. प्यारेलाल शर्मा की पुण्य तिथि को कभी नहीं भूलते। उनके शहादत दिवस को कभी नहीं भूलते और एक परंपरा शहर में विकसित की है। 27 नवंबर को शहर की सियासत के लोग, शहर के गणमान्य लोग, शहर के पुराने लोग मालीवाड़ा के शहीद प्यारेलाल शर्मा पार्क में एकत्र होते हैं और जन-जन के प्रिय रहे स्व. प्यारेलाल शर्मा को श्रद्धांजलि देते हैं। बड़ी बात ये है कि पूर्व विधायक सुरेंद्र कुमार मुन्नी ने इस परंपरा को कायम रखा है। अपने पिता की संस्कारों की विरासत को जिंदा रखा है। अपनी आने वाली पीढ़ियों के सामने भी ये उदाहरण रखा है कि हम हमेशा अपने कर्मों से दुनिया में प्रतिष्ठा पाते हैं। हम सेवा के जरिए ही लोगों के दिलों में मुकाम पाते हैं। राजनीति केवल विचारधारा का ही नाम नहीं है, राजनीतिक सेवा के संस्कारों का भी नाम है। पूर्व विधायक सुरेंद्र कुमार मुन्नी हर वर्ष अपने पिता की पुण्यतिथ पर ये आयोजन करते हैं। शहर के लोग भी इस आयोजन में शामिल होते हैं और महसूस होता है कि एक परंपरा का पालन हो रहा है। एक पुत्र के रूप में सुरेंद्र मुन्नी ने ये स्थापित किया है कि हम कभी भी अपने दिवंगत पिता को नहीं भूलेंगे और उनके दिखाए रास्ते पर ही चलेंगे। चाहे जीवन में कितनी भी भागदौड़ हो लेकिन हम कभी भी अपने दिवंगत पिता को नहीं भूलेंगे। संस्कारों को नहीं भूलेंगे।

जीडीए बोर्ड सदस्य से लेकर नामित पार्षद वाले सीन पर है सस्पेंस बरकरार

विधायक संजीव शर्मा की लगेगी मुहर या आ जाएगा नए अध्यक्ष वाला किरदार

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सरकार आने के साथ ही इस बात का इंतजार हो रहा है कि किन-किन चेहरों पर सरकार की कृपा बरसेगी। महीने बीते, साल बीता लेकिन भगवा गढ़ का हाल नहीं बदला। कई आयोग वाली लिस्ट जारी भी हुई लेकिन वो गाजियाबाद स्टेशन पर रुके बिना ही आगे बढ़ गई। गाजियाबाद के किसी चेहरे को स्थान नहीं मिला और अब वो केवल इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि जीडीए बोर्ड वाली सदस्य कृपा किसपर होगी। नामित पार्षदों वाली सूची कब आएगी। बड़ी बात ये है कि अब भगवा गढ़ की गंगा में बहुत पानी बह गया है। संगठन सरकार हो गया है और सरकार वाले दिल्ली शिफ्ट हो गए हैं। ऐसे में अब ये सवाल है कि सरकारी कृपा का बादल जब भी बरसेगा तो उसमें किसकी दखल रहेगी।

जीडीए बोर्ड सदस्य नामित पार्षद और आयोग वाली लिस्ट में क्या शहर विधायक संजीव शर्मा के हाथों से मुहर लगेगी, क्या वो ही ये नाम भेजेंगे। या फिर उसमें किसी नए किरदार की एंट्री होगी। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि अब तक संजीव शर्मा ही महानगर अध्यक्ष थे और अब वो विधायक हो गए हैं। ऐसे में संगठन में परिवर्तन होगा और जो भी नाम अब पैनल में मांगे जाएंगे वो संगठन की ओर से जाएंगे। सवाल इसलिए भी उठ रहा है कि यह तय हो गया है कि कोई भी चेहरा कार्यवाहक अध्यक्ष नहीं बनेगा तो ऐसे में संजीव शर्मा ही अध्यक्ष बने रहेंगे, लेकिन अब मंडल अध्यक्षों के चुनाव के बाद ही प्रक्रिया शुरू होगी और ऐसे में ये माना जा रहा है कि जो लिस्ट जारी होगी वो संजीव शर्मा के हस्ताक्षरों से जारी होगी या कोई नया अध्यक्ष अपने नाम देगा। फिलहाल कार्यकर्ताओं में संशय की स्थिति बनी हुई है।

संगठन रहेगी पहली प्राथमिकता और उसके बाद सोचेगी सरकार इस बारे में

कौन से वो दस नाम हैं जो नामित पार्षद बनेंगे। इनमें मानक क्या रहेंगे। क्या इसमें महिला कोटा रहेगा, पूर्वांचल कोटा रहेगा। वो कौन से चेहरे हैं जिन्हें जीडीए बोर्ड सदस्य बनने का मौका मिलेगा। इसके अलावा अभी कई आयोग खाली हैं लेकिन भाजपा के सूत्र बताते हैं कि ये सब काम अभी पेंडिंग रहेंगे। उसकी वजह भी यह बताई जाती है कि संगठन सर्वोपरि है और संगठन के गठन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सरकार की प्राथमिकता संगठन रहेगी और संगठन के चुनाव के बाद ही इस बारे में सोचा जाएगा। वैसे भी जब मंडल चुनाव होंगे तो यहां अध्यक्ष पद पर भी पर्वितन होना है। क्योंकि अध्यक्ष अब विधायक हो गए हैं तो उनके स्थान पर नए अध्यक्ष की ताजपोशी होनी है। उसी के बाद तय होगा। ऐसे में ये माना जा रहा है कि इस साल तो कृपा वाले सीन में कुछ नहीं होगा और अगले साल भी दूसरे महीने में जाकर यह कृपा हो सकती है।

संपादकीय

क्षमता केंद्रों को मिले सक्षम माहौल

बीते कुछ वर्षों में कारोबारी सेवा क्षेत्र में घटित कुछ अहम और उत्साहजनक घटनाओं में से एक है समग्र वैश्विक क्षमता केंद्रों यानी जीसीसी का विकास जो बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए मददगार साबित होते हैं। इनमें से कई भारत में स्थित हैं या उन्हें भारत में बनाने की योजना है। यह दर्शाता है कि भारत के घरेलू क्षेत्र का दायरा बढ़ा है और उसके मूल्यवर्धन में भी अहम इजाफा हुआ है।

स्वाभाविक सी बात है कि प्रस्तावित जीसीसी के लिए तय स्थानों की बात करें तो एक स्वस्थ घरेलू प्रतिस्पर्धा नजर आती है। कर्नाटक सरकार ने पहले ही जीसीसी पर केंद्रित एक रणनीति जारी कर दी है। अब मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने घोषणा की है कि राज्य सरकार की योजना जीसीसी के लिए तीन पार्क बनाने की है। ये पार्क बेंगलूरु, मैसूरु और बेलागावी में बनाए जाने हैं।

जीसीसी पर सिद्धरमैया का ध्यान उपयोगी भी है और आवश्यक भी। सूचना प्रौद्योगिक सक्षम सेवा क्षेत्र की बात करें तो लंबे समय से बेंगलूरु को उनका घर माना जाता रहा है लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि बीते कुछ वर्षों में इसके तकनीकी, शासन और कॉर्पोरेट विकास के क्षेत्र में पीछे रह जाने का जोखिम उत्पन्न हो गया है।

परंतु यह भी समझने की आवश्यकता है कि किसी भी अन्य राज्य की तरह कर्नाटक में भी जीसीसी के विकास के लिए बुनियादी आवश्यकताएं वही हैं जो व्यापक रूप से हर नए निवेश, खासकर विदेशी निवेश के लिए जरूरी होती हैं। इनमें जमीन की उपलब्धता, उन्नत अधोसंरचना, सड़कें, विश्वसनीय और किफायती बिजली आपूर्ति (नवीकरणीय ऊर्जा हो तो बेहतर), और विवादों का आसानी से निपटारा शामिल हैं। अतीत में कर्नाटक सरकार का प्रदर्शन इन मानकों पर बहुत अच्छा नहीं रहा है। कई बार कर्नाटक कर और नियामकीय विवादों के लिए सुर्खियों में रहा है। राज्य का ध्यान स्पष्टता बढ़ाने पर केंद्रित होना चाहिए, न कि उसे कम करने पर। कारोबारी सेवाओं में मूल्य श्रृंखला में बेहतरी की बात करें तो शहरीकरण एक अहम कारक है।

कुछ अनुमानों के मुताबिक देश के कुल आईटी और आईटी सक्षम सेवा निर्यात में 85 फीसदी चार राज्यों महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और तमिलनाडु से होता है। जीवंत शहरी केंद्रों की उपस्थिति ही इसे संभव करती है। कर्नाटक की वर्तमान सरकार संतुलित क्षेत्रीय विकास की महत्ता पर जोर देती है लेकिन उसे यह भी समझना चाहिए कि विश्वस्तरीय शहरी केंद्र ही निवेश आकर्षित करते हैं।

बियॉन्ड बेंगलूरु एक अच्छा नारा है लेकिन इसे हकीकत में तभी बदला जा सकता है जब प्रदेश के अन्य शहरी केंद्रों के पास भी समतुल्य संपर्क, सुविधाएं तथा बेंगलूरु-मैसूरु जैसी जीवन गुणवत्ता हो।

मुख्यमंत्री ने जीसीसी को लेकर अपनी चर्चा में यह भी कहा कि राज्य पहले ही अपनी उत्कृष्ट इंजीनियरिंग प्रतिभाओं और विश्व स्तर पर सर्वाधिक एआई पेशेवरों के साथ ह्याप्राथमिकता वाला गंतव्यह्व बना हुआ है। उन्होंने अपनी सरकार द्वारा ह्यउद्योगों के लिए तैयार श्रम शक्तिह्व तैयार करने की पहल का जिक्र किया। यह एक तथ्य है कि जीसीसी के मामले में मानव संसाधन की चिंता प्रमुख है।

ऐसा इसलिए कि जीसीसी श्रम की गहनता वाले क्षेत्र होते हैं। सरकार को यह भी समझना होगा कि उद्योगों के लिए तैयार श्रम शक्ति ऐसी नहीं होती है जो ह्यबाहरी लोगोंह्व के साथ भेदभाव करे। जीसीसी की योजना बना रही कोई कंपनी नहीं चाहती कि वह नौकरी देते समय स्थानीय और बाहरी के जटिल राजनीतिक विवाद में उलझे। कर्नाटक के निवासियों की उत्पादकता और उनकी क्षमता बढ़ाने संबंधी पहलें स्वागतयोग्य हैं। परंतु स्थानीय लोगों को नौकरी में आरक्षण के लिए कठोर नियमन उचित नहीं। निवेशक सजा को नहीं लालच को अधिक पसंद करते हैं। कर्नाटक सरकार को जीसीसी के लिए उपयुक्त स्थानीय उम्मीदवारों पर ध्यान देना चाहिए बजाय कि श्रम मांग को अनुकूल बनाने की बाध्यता के।

2027 तक योगी सरकार तिलहन के मामले में यूपी को आत्मनिर्भर बनाने को प्रतिबद्ध

लखनऊ, 27 नवंबर। योगी सरकार के लगातार प्रोत्साहन से सात साल में तिलहन की उपज में दोगुने से अधिक की वृद्धि हुई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017-2018 में तिलहन की उपज 13.62 मिट्रिक टन थी, जो 2023-2024 में बढ़कर 28.15 मिट्रिक टन हो गई। इस साल (2024-205) के आंकड़े आने पर इसमें और बढ़त संभव है। यह सब मुमकिन हुआ योगी सरकार के तिलहन के उत्पादन में वृद्धि की प्रतिबद्धता के चलते।

साथ ही इसमें केंद्र सरकार का भी लगातार सहयोग रहा। तिलहन के मामले में 2026-2027 तक उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भर हो जाए, यह योगी सरकार का लक्ष्य है। इसके लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर इन फसलों की खरीद के साथ सरकार हर साल मिनी किट के रूप में किसानों को बेहतर उपज वाले उन्नत किस्म के निःशुल्क बीज भी मुहैया करवा रही है। इस क्रम में पिछले साल 10,797.2 क्विंटल बीज किसानों को दिए गए थे। इस साल 1,11,315.6 क्विंटल बीज मुहैया कराने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रगतिशील किसानों के यहां इन बीजों का खेतों में प्रदर्शन और किसान पाठशालाओं के जरिए विशेषज्ञों द्वारा खेती के उन्नत तौर-तरीकों की जानकारी भी सरकार लगातार मुहैया करा रही है। किसानों को यह भी बताया जा रहा है कि इसमें परंपरागत खेती की तुलना में लागत कम, लाभ अधिक है। यही नहीं, रबी के सीजन में जो किसान दशहरे के बाद सरसों की बोआई कर चुके होंगे, उनको मार्च में फसल की कटाई के बाद रबी और खरीफ के बीच जायद की एक अतिरिक्त फसल लेने का भी मौका मिल जाता है। खासकर उड़द और मूंग की। इससे अतिरिक्त आय तो होती ही है, दलहनी फसल होने के कारण जमीन में प्राकृतिक रूप से नाइट्रोजन फिक्सेशन का लाभ खरीफ की फसल में अलग से होता है। किसान देखकर तिलहन की फसलों की उन्नत खेती के बाबत सीखें, इसके लिए प्रगतिशील किसानों के फील्ड में प्रदर्शन भी हो रहे हैं। साथ ही किसान पाठशाला में भी एक्सपर्ट किसानों को रोग एवं कीट प्रतिरोधी उन्नत प्रजाति, खेत की तैयारी से लेकर बोआई के तरीके, फसल संरक्षण के उपाय एवं भंडारण के बारे में बताएंगे, ताकि रकबे के साथ उसी अनुपात में उत्पादन भी बढ़े। इस पूरे कार्यक्रम पर सरकार चार साल में तिलहन का रकबा और उत्पादन बढ़ाने पर 114.58 करोड़ रुपये खर्च करेगी। सरकार को उम्मीद है कि इससे तिलहनी फसलों का आच्छादन 20.51 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 22.63 लाख हेक्टेयर हो जाएगा।

अपने दूसरे कार्यकाल के तुरंत बाद (अप्रैल 2022) सीएम योगी ने एक समीक्षा बैठक में निर्देश दिया था कि अगले पांच साल में प्रदेश को दलहन और तिलहन के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुकम्मल योजना तैयार करें। तभी से इस पर काम भी शुरू हो गया था। इसके लिए प्रमाणित एवं आधारीय बीजों का आवंटन बढ़ा दिया गया था।

अदाणी समूह के बयान के बाद सेंसेक्स और निफ्टी में उछाल

नई दिल्ली। अमेरिका में लगाए गए आरोपों को अदाणी समूह की ओर से नकारे जाने के बाद बुधवार को शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में उछाल देखा गया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 166.1 अंक चढ़कर 80,170.16 अंकों और 50 शेयरों वाला निफ्टी 74.35 अंक की बढ़त के साथ 24,268.85 अंकों तक पहुंच गया है।

ऐसी रही बाजार की चाल : शुरूआती सौदों के बाद दोनों ही सूचकांकों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। बीएसई सूचकांक 60.26 अंक चढ़कर 80,055.58 अंक पर और निफ्टी 16.55 अंक की बढ़त के साथ 24,211.10 अंक पर आ गया। सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा और एनटीपीसी के शेयरों में तेजी रही। इंडसइंड बैंक, भारती एयरटेल, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में गिरावट आई।

अदाणी समूह के बयान के बाद दिखी हरियाली : इससे पहले जानेमाने कारोबारी और अरबपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी पर लगे आरोपों को अदाणी समूह ने सिरे से खारिज कर दिया था। अदाणी समूह ने बुधवार को कहा था कि गौतम अदाणी और उनके भतीजे पर रिश्वतखोरी का कोई आरोप नहीं है।

रूस भारत को कच्चे तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता

हरदीप पुरी बोले- आयात में 35% से अधिक हिस्सा

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि रूस भारत को कच्चे तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया है, जो देश के आयात का 35 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। एफआईपीआई तेल और गैस पुरस्कार समारोह में बोलते हुए, मंत्री ने पिछले दो वर्षों में भारत के तेल सोर्सिंग में नाटकीय बदलाव पर प्रकाश डाला। रूस से तेल आयात फरवरी 2022 में मात्र 0.2 प्रतिशत से बढ़कर हाल के महीनों में लगातार शीर्ष स्थान पर रहा।

पुरी ने कहा , पिछले कुछ समय से रूस भारत को कच्चे तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता रहा है। प्रतिशत 35 प्रतिशत से ऊपर होगा, लेकिन यह महीने-दर-महीने बदलता रहता है। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि वैश्विक मूल्य गतिशीलता और उपलब्धता से प्रभावित है, जिसमें भारत हाजिर बाजार की खरीद के साथ दीर्घकालिक अनुबंधों को संतुलित करता है।

उन्होंने कहा, फरवरी 2022 में यह 0.2 प्रतिशत जितना कम था, लेकिन फिर यह बढ़ गया। यह कैसे रहेगा और कहां जाएगा, मैं कहता रहता हूं कि ये ऐसे फैसले नहीं हैं जो मंत्रालय लेता है। हमारी तेल विपणन कंपनियां, विशेष ग्रेड के कच्चे तेल के लिए फ्लोर टेंडर जारी करती हैं। पुरी ने भारत की ऊर्जा साझेदारी की उभरती प्रकृति पर भी जोर दिया, जिसमें सऊदी अरब, यूएई, इराक, कुवैत और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे अन्य महत्वपूर्ण आपूर्तिकताओं का उल्लेख किया गया।

भारत का दूध उत्पादन 2023-24 में 4% बढ़ा

नई दिल्ली, 27 नवंबर। भारत का दूध उत्पादन 2023-24 में 4 प्रतिशत बढ़कर 239.3 मिलियन टन हो गया है। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने हाल ही में यह जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दूध की प्रति व्यक्ति उपलब्धता भी 2022-23 में 459 ग्राम प्रतिदिन से बढ़कर 2023-24 में 471 ग्राम प्रतिदिन हो गई है। उन्होंने कहा कि भारत के दूध उत्पादन में औसत वृद्धि दुनिया के औसत 2 प्रतिशत के मुकाबले 6 प्रतिशत रही है।

सरकार ने राष्ट्रीय दुग्ध दिवस 2024 के अवसर पर बुनियादी पशुपालन सांख्यिकी 2024 जारी की, जिसे हर साल 26 नवंबर को श्वेत क्रांति के जनक वर्गीज कुरियन के सम्मान में मनाया जाता है, जिनका जन्म इसी दिन हुआ था। राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उत्पादकता में सुधार के कारण 2023-24 में दूध उत्पादन बढ़कर लगभग 239 मिलियन टन हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार, विदेशी/संकर नस्ल मवेशियों से दूध उत्पादन में 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और पिछले वर्ष की तुलना में 2023-24 में देशी मवेशियों से दूध उत्पादन में 44.76 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2023-24 में कुल अंडा उत्पादन 3.17 प्रतिशत बढ़कर 142.77 बिलियन हो गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रति व्यक्ति अंडे की उपलब्धता 103 अंडे प्रति वर्ष है। अंडा उत्पादन में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मांस उत्पादन में 4.95 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और 2023-24 में 10.25 मीट्रिक टन तक पहुंचने का अनुमान है। देश में कुल ऊन उत्पादन 33.69 मिलियन किलोग्राम आंका गया है। केंद्रीय मंत्री ने डेयरी किसानों को संगठित क्षेत्र में लाने की आवश्यकता पर जोर दिया क्योंकि इससे दूध उत्पादन और उनकी आय बढ़ेगी और बिचौलियों को खत्म किया जा सकेगा। उन्होंने डेयरी उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी बात की।

केंद्रीय मंत्री ने डेयरी किसानों से अपने पशुओं का टीकाकरण करने को कहा क्योंकि सरकार उन्हें बीमारी से बचाने में मदद करने के लिए मुफ्त टीकाकरण प्रदान कर रही है।

रोचक तथ्यों का करंट

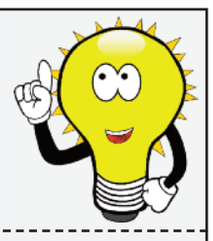

- जो लोग सोचते हैं कि उनकी राय दूसरों के मुकाबले बेहतर है, वे अपने प्रासंगिक ज्ञान को अधिक महत्व देने और अधिक जानने के अवसरों को अनदेखा कर सकते हैं, एक अध्ययन में पाया गया।
- साल 2015 में जर्मनी में सबसे ज्यादा आश्रय अनुरोध थे।
- सावधानीपूर्ण और कुशल इंजीनियरिंग के कारण आकाशीय बिजली ने साल 1963 से किसी भी विमान को नुक्सान नहीं पहुँचाया है, क्यूंकि यह आकाशीय बिजली के बोल्ट के बिजली के चार्ज को विमान के माध्यम से चलाता है और इसके बाहर चला जाता है।
- कई आइसलैंड निवासियों के लिए, विश्व युद्ध 2 वास्तव में 'धन्यवाद युद्ध' के रूप में जाना जाता है क्योंकि देश की आजादी के लिए धन्यवाद देने का युद्ध है।
- जब स्टीव जॉब्स अपनी मृत्युसैय्या पर थे, तो उन्होंने पांच अलग ऑक्सीजन मास्क मांगे ताकि वह सर्वश्रेष्ठ डिजाइन के साथ एक चुन सकें। यदि आप वास्तविक जीवन में राक्षसों और पिशाचों के बारे में जानना चाहते हैं, तो आप एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में पैराप्सिओलॉजी में पीएचडी प्राप्त कर सकते हैं।

राशिफल

- **मेष :** आराम व मनोरंजन के साधनों पर व्यय होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्ति के योग हैं। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।
- **वृष :** जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार पर व्यय हो सकता है। किसी मामले की चिंता रह सकती है।
- **मिथुन :** शारीरिक कष्ट की आशंका है। कार्य में विघ्न हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। परीक्षा व साक्षात्कार इत्यादि में सफलता प्राप्त होगी।
- **कर्क :** पुराना रोग उभर सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से तनाव रहेगा। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है, सावधानी रखें।
- **सिंह :** व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। खान-पान का ध्यान रखें। प्रयास सफल रहेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। राजमान के योग हैं।
- **कन्या :** प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परेशानी हो सकती है। मन तथा शरीर में थकान महसूस होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा।
- **तुला :** कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति व रोजगार में वृद्धि होगी।
- **वृश्चिक :** किसी मद में बड़ा खर्च हो सकता है। आर्थिक? स्थिति कमजोर हो सकती है। किसी के उकसाने में न आएं। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें।
- **धनु :** आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता कम होगी। थकान रह सकती है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।
- **मकर :** लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे।
- **कुंभ :** किसी धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता है। आत्मिक शांति रहेगी। किसी विवाद में विजय प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।
- **मीन :** वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर युवा वर्ग लापरवाही न करें। भागदौड़ अधिक होगी।

चुटकुले

मिंकी बहुत देर से मेडिकल स्टोर के बाहर खड़ी थी....
दुकान में ग्राहकों की भारी भीड़ थी. लड़की परेशान सी भीड़ के हटने का इंतजार कर रही थी।
काफी देर बाद जब भीड़ छटी तो लड़की दुकानदार के पास गई।
उसने धीरे से इधर-उधर देखकर एक परचा दुकानदार को दिया और बोली...
भाई साहब, मेरे होने वाले पति डॉक्टर हैं....
यह उनका प्रेम पत्र है, पढ़कर सुना देंगे प्लीज।

टीटू - तुम ऑपरेशन कराए बिना ही हॉस्पिटल से क्यों भाग गए ?
शीटू - नर्स बार-बार कह रही थी कि डरो मत, हिम्मत रखो, कुछ नहीं होगा.. ये तो बस एक छोटा सा ऑपरेशन है।
टीटू- तो इसमें डरने वाली कौन सी बात है ? सही तो कह रही थी नर्स।
शीटू- वो मुझसे नहीं डॉक्टर से कह रही थी।

करंट क्राइम
जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

28 11 2024

आज के जन्मदिन

सेलेब्रिटी जन्मदिन

सागर कसाना पर्वतारोही

सारस चौधरी

अतुल्य त्यागी

देव जोशी

अभिषेक शर्मा

राकेश मोहन

केएम गुप्ता

हरेंद्र यादव

ललित गुर्जर

सूरज सिंह

जगजीत सिंह

खुशीराम नथानी

तरूण गोयल

मोहित पाल सिंह

कुलदीप कोरी

मोहित त्यागी

केएम गुप्ता

विजय सिंह

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए।जी।एस। पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

ऑस्ट्रेलिया ने गुलाबी गेंद से खेले जाने वाले टेस्ट के लिए अनकैप्ड ब्यू वेबस्टर को टीम में शामिल किया

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने 6 दिसंबर से एडिलेड में गुलाबी गेंद से खेले जाने वाले दूसरे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट के लिए अनकैप्ड तेज गेंदबाज ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को अपनी टीम में शामिल करने की तैयारी कर ली है।

बुधवार को न्यूज कॉर्प की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वेबस्टर को चोटिल साथी ऑलराउंडर मिशेल मार्श की जगह लेने के लिए चुना गया है, जो सीरीज के पहले मैच के बाद ₹दर्द₹ में थे, जहां ऑस्ट्रेलिया को पर्थ स्टेडियम में चार दिनों के भीतर भारत से 295 रनों से हार का सामना करना पड़ा था।

हालांकि पहले और दूसरे टेस्ट के बीच दस दिन का अंतर है, लेकिन अगर मार्श पर्थ में दस से अधिक ओवर गेंदबाजी करने के बाद एडिलेड गेम के लिए समय पर ठीक नहीं हो पाते हैं, तो वेबस्टर के पास ऑस्ट्रेलिया के 468वें पुरुष टेस्ट क्रिकेटर बनने का मौका है।

पर्थ में हार के बाद हेड कोच एंड्रयू मैक्डोनाल्ड ने कहा,₹क्या वह ठीक हो गए हैं? हम इंतजार करेंगे और देखेंगे। हम जानते थे कि मिच (मार्श) थोड़ा कमजोर था, लेकिन मुझे लगा कि पहली पारी में उसका प्रदर्शन संतोषजनक था।

वेबस्टर ने 61 और 49 के स्कोर बनाए थे, साथ ही सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में शेफील्ड शील्ड मैच में न्यू साउथ वेल्स पर 55 रन की जीत हासिल करने वाले तस्मानिया में गेंद से 3/81 और 2/25 विकेट लिए थे, क्योंकि राज्य ने मौजूदा सीजन की अपनी पहली जीत हासिल की थी।

बुधवार को न्यूज कॉर्प की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वेबस्टर को चोटिल साथी ऑलराउंडर मिशेल मार्श की जगह लेने के लिए चुना गया है

2022/23 की शुरूआत से, वेबस्टर ने 51.08 की औसत से 1788 रन बनाए हैं, जिसमें 5 शतक और 9 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने पिछले शेफील्ड शील्ड सीजन में 29.30 की औसत से 30 विकेट भी लिए हैं। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ए ने भारत ए पर 2-0 की सीरीज जीत में 145 रन बनाए और सात विकेट लिए।

(वेबस्टर) इस समय एक खास खिलाड़ी हैं। जब भी मुझे लगता है कि हम मुश्किल में हैं, मुझे लगता है कि मैं उसे गेंद फेंक सकता हूं और वह कुछ बनाने में सक्षम है, या जब भी हम बल्ले से इसी तरह की परेशानी में होते हैं।

न्यूजीलैंड के नाथन स्मिथ इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में पदार्पण करेंगे; यंग ने विलियमसन को जगह दी

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड ने पुष्टि की है कि तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ गुरुवार को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करेंगे, जबकि भारत में हाल ही में वाइटवॉश के प्लेयर ऑफ द सीरीज विल यंग को केन विलियम्सन के लिए टीम से बाहर कर दिया गया है।

न्यूजीलैंड के कप्तान टिम लाथम ने भी पुष्टि की है कि पूर्व कप्तान केन विलियमसन पहले टेस्ट के लिए कमर की चोट से उबरकर वापसी करेंगे, जबकि पिछले महीने भारत में न्यूजीलैंड की हाल ही में 3-0 से वाइटवॉश के दौरान 244 रन बनाने वाले और प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए विल यंग को टीम से बाहर कर दिया गया है।

लाथम ने बुधवार को कहा, ₹उन्होंने (यंग) भारत में शानदार प्रदर्शन किया और हमारे लिए शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन दुर्भाग्य से यह यंगी के पिछले कुछ समय में किए गए प्रदर्शन से कहीं कम है। केन जैसे

खिलाड़ी की वापसी से टीम को मजबूती मिलती है, क्योंकि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी है। वह (यंग) एक बेहतरीन टीम मैन है और उसने निश्चित रूप से कुछ भी गलत नहीं किया है। यह एक कठिन निर्णय था, लेकिन जब आप ऐसी स्थिति में होते हैं तो आपको कठिन निर्णय लेने होते हैं और इसका मतलब है कि आपकी टीम अच्छी स्थिति में है। यंगी के लिए दुखी हूं, लेकिन केन के वापस आने से उत्साहित हूं।" कीवी कप्तान ने स्मिथ को डेब्यू पर एक मजबूत छाप छोड़ने का भी समर्थन किया। क्राइस्टचर्च प्रतियोगिता में चौथे सीमर की भूमिका के लिए साथी तेज गेंदबाज जैकब डफी को हराकर गेंदबाजी ऑलराउंडर ने अपना पहला टेस्ट कैप जीता।

पाकिस्तान के अहमद दानियाल और शाहनवाज दहानी जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बुधवार को कहा कि तेज गेंदबाज अहमद दानियाल और शाहनवाज दहानी जिम्बाब्वे के खिलाफ मौजूदा वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं और वे स्वदेश लौट जाएंगे।

दोनों की जगह तेज गेंदबाज अब्बास अफरीदी और ऑलराउंडर जहानदाद खान को शामिल किया गया है, जो गुरुवार को होने वाले सीरीज के निर्णायक मैच में चयन के लिए उपलब्ध होने के लिए बुलावायो पहुंचेंगे। ये दोनों टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम का हिस्सा हैं, जो 1, 3 और 5 दिसंबर को बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेली जाएगी।

दोनों वनडे मैचों में खेलने के बाद, अनकैप्ड दानियाल की जगह आमिर जमाल को अगली टी20 सीरीज में शामिल किया जाएगा। जिम्बाब्वे ने बारिश से प्रभावित पहले वनडे में डीएलएस पद्धति से 80 रन से जीत दर्ज की थी, इसके बाद पाकिस्तान ने

दूसरे वनडे में दस विकेट से जीत दर्ज की थी, जिसमें सलामी बल्लेबाज सईम अयूब ने शानदार शतक लगाया और मेहमान टीम को 18.2 ओवर में 146 रन का लक्ष्य हासिल करने में मदद की।

पीसीबी ने कहा कि दानियाल को हैमस्ट्रिंग की चोट लगी है, जबकि दहानी, जिन्होंने पाकिस्तान के लिए अब तक दो वनडे और 11 टी20 मैच खेले हैं, को रविवार के प्रशिक्षण सत्र के दौरान बाएं टखने में चोट लगी। प्रारंभिक स्कैन और नैदानिक आकलन ने उनकी संबंधित चोटों की पुष्टि की, इस प्रकार उन्हें जिम्बाब्वे की यात्रा से बाहर कर दिया गया। पीसीबी ने आगे कहा, ₹लाहौर लौटने पर, दोनों खिलाड़ी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिपोर्ट करेंगे, जहां वे पुनर्वास से गुजरेंगे और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करेंगे।

बुमराह फिर से बने नंबर एक टेस्ट गेंदबाज जायसवाल और कोहली को भी फायदा

दुबई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में आठ विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच बनने वाले जसप्रीत बुमराह ने टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में नंबर एक पर वापसी कर ली है। उन्होंने शीर्ष स्थान से कैगिसो रबाडा को हटाया, जो कि इस मैच से पहले नंबर एक टेस्ट गेंदबाज थे। इस मैच से पहले नंबर तीन गेंदबाज बुमराह को दो स्थानों का फायदा हुआ है। वहीं नंबर दो पर काबिज ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जॉश हेजलवुड अब नंबर तीन पर चले गए हैं।

इससे पहले बुमराह इस साल की शुरूआत में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के दौरान पहली बार शीर्ष पर पहुंचे थे। अक्टूबर में बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के दौरान उन्होंने फिर से इस स्थान को हासिल किया, हालांकि न्यूजीलैंड के खिलाफ अपेक्षाकृत प्रदर्शन नहीं होने के कारण वह तीसरे स्थान पर चले गए थे।

पर्थ टेस्ट में ही पांच विकेट लेकर बुमराह का अच्छा साथ देने वाले मोहम्मद सिराज को भी तीन स्थान का फायदा हुआ है और वह अब गेंदबाजों की टेस्ट रैंकिंग में 25वें स्थान पर हैं। शीर्ष 10 में बुमराह के अलावा भारत के दो और गेंदबाज आर अश्विन (चौथा स्थान) और रवींद्र जडेजा (सातवां स्थान) भी शामिल हैं।

वहीं बल्लेबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड के जो रूट अभी भी शीर्ष पर बने हुए हैं। हालांकि उन्हें भारत के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल से कड़ी टक्कर मिल रही है, जिन्होंने पर्थ टेस्ट में शानदार शतक लगाकर अपने स्थान को और मजबूत किया है। दूसरी पारी में 161 रन बनाने वाले जायसवाल के अब करियर बेस्ट 825 रेटिंग अंक हो गए हैं और वह रूट से अब सिर्फ.78 रेटिंग अंक पीछे हैं।

पर्थ टेस्ट में 30वां शतक लगाने वाले विराट कोहली को भी फायदा हुआ है और वह नौ स्थान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर आ गए हैं। ट्रैविस हेड ने 89 रन बनाकर शीर्ष 10 में वापसी की है और वह 10वें स्थान पर हैं।

इससे पहले बुमराह इस साल की शुरूआत में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के दौरान पहली बार शीर्ष पर पहुंचे थे।

पर्थ टेस्ट से बाहर रहने वाले रवींद्र जडेजा और आर अश्विन अभी भी टेस्ट के शीर्ष दो ऑलराउंडर बने हुए हैं। हालांकि उन्हें आगे चलकर बांग्लादेश के नए टेस्ट कप्तान मेहदी हसन मिराज से कड़ी टक्कर मिल सकती है, जिन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ एंटीगा टेस्ट में गेंद और बल्ले दोनों से अच्छा प्रदर्शन कर ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में तीन स्थान की चढ़ाई की है ।

नाडा का एक्शन : चार साल के लिए निलंबित किए जाने के बाद बजरंग पूनिया ने दी प्रतिक्रिया

सोनीपत । नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने पहलवान बजरंग पूनिया को चार साल के लिए निलंबित कर दिया है। नाडा ने इसका कारण राष्ट्रीय टीम के सिलेक्शन ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए सैंपल देने से इनकार करने को ठहराया, जिसके चलते उन पर कार्रवाई हुई। हालांकि, बजरंग ने कहा कि वह इस एक्शन से बिल्कुल भी हैरान नहीं हैं।

इस तरह से टोक्यो ओलंपिक खेलों के कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पुनिया को मार्च 2024 में राष्ट्रीय टीम के ट्रायल के दौरान एंटी-डोपिंग परीक्षण के लिए यूरिन का सैंपल देने से इनकार करने पर चार साल के लिए निलंबित कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, पूनिया को पहले एक अनंतिम निलंबन दिया गया था और सुनवाई के बाद, नाडा के एंटी-डोपिंग नियमों के आर्टिकल 10.3.1 के अनुसार प्रतिबंध की पुष्टि की गई, जो जानबूझकर डोप परीक्षण से बचने से संबंधित है, जिसे एंटी-डोपिंग नियम का उल्लंघन माना जाता है।

टोक्यो ओलंपिक में सिल्वर मेडल जीतने वाले पूनिया को इससे पहले 23 अप्रैल को अस्थायी रूप से सस्पेंड किया गया था। इसके बाद विश्व कुश्ती संगठन ने भी उनके खिलाफ कार्रवाई की थी। पूनिया ने इस सस्पेंशन के खिलाफ अपील की थी, जिसके बाद इसे 31 मई तक रद्द कर दिया गया था। इसके बाद नाडा ने 23 जून को पूनिया को नोटिस जारी किया था। पूनिया ने 11 जुलाई को इस फैसले को चुनौती दी थी, जिसके बाद 20 सितंबर और 4 अक्टूबर को सुनवाई हुई। अब अपने आदेश में नाडा के डोपिंग पैनल ने उनके चार साल के निलंबन को जारी रखा है।

खेल की विश्व नियामक संस्था यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने भी अप्रैल में बजरंग को निलंबित कर दिया था, जिसके बाद भारतीय पहलवान न केवल प्रतियोगिताओं में भाग नहीं ले सकते हैं, बल्कि निलंबन अवधि समाप्त होने तक कोचिंग की भूमिका भी नहीं निभा सकेंगे।

हालांकि, पुनिया ने इस तर्क को गलत बताया है कि उन्होंने सैंपल देने से जानबूझकर इंकार किया था, बल्कि इसके लिए नाडा की कमियों को उजागर किया।

उन्होंने यह भी दावा किया कि सैंपल किट एक्सपायर थी और पिछले उदाहरणों का हवाला दिया जिसमें कथित तौर पर एक्सपायर परीक्षण किट प्रदान की गई थी। उन्होंने दावा किया कि उनकी आपत्ति नाडा द्वारा ₹एक्सपायर किट₹ का उपयोग करने पर थी, न कि सैंपल देने से इंकार करने पर।

इंग्लैंड के लिए अपना करियर बढ़ाने को लेकर आईपीएल नीलामी से बाहर होने का फैसला किया : बेन स्टोक्स

नई दिल्ली। कप्तान बेन स्टोक्स ने खुलासा किया है कि उन्होंने इंग्लैंड के लिए अपना करियर बढ़ाने के लिए हाल ही में जेद्दा में हुई इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मेगा नीलामी में भाग नहीं लेने का फैसला किया। स्टोक्स इससे पहले आईपीएल में राइजिंग पुणे सुपरजायंट (आरपीएस), राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए खेल चुके हैं और उन्हें 2017 में टूर्नामेंट का सबसे मूल्यवान खिलाड़ी चुना गया था।

स्टोक्स नीलामी में इंग्लैंड के खिलाड़ियों की सूची से बाहर थे और नए नियमों के तहत, अगर वह मेगा नीलामी में किसी टीम द्वारा अधिग्रहित किए जाने के बाद बाहर हो जाते, बशर्ते कि यह वैध कारणों से होता, तो वह प्रतियोगिता के अगले दो सत्रों में भाग लेने के योग्य नहीं होते।

उन्होंने कहा,(अभी) बहुत ज्यादा क्रिकेट है। इस तथ्य के पीछे कोई छिपाव नहीं है कि मैं अपने करियर

के अंतिम चरण में हूं। मैं स्पष्ट रूप से जितना संभव हो सके उतना खेलना चाहता हूं। अपने शरीर का ख्याल रखना और जितना संभव हो सके खुद का ख्याल रखना इसके लिए महत्वपूर्ण है।

(यह) खेलों को प्राथमिकता देने और जब मैं खेलता हूँ - जाहिर है कि मैं इस साल दक्षिण अफ्रीका में हूं - तो यह इस बारे में है कि मेरे पास आगे क्या है और वह निर्णय लेना जो मुझे लगता है कि मेरे करियर को यथासंभव लंबा करने में सक्षम होने के लिए सही है।

स्टोक्स ने क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ इंग्लैंड की टेस्ट सीरीज के पहले मैच से पहले बीबीसी स्पोर्ट से कहा, ₹मैं जब तक संभव हो, इंग्लैंड की यह शर्ट पहनना चाहता हूं।₹ आगामी मैच के लिए, इंग्लैंड ने बाएं हाथ के बल्लेबाज जैकब बेथेल को पदार्पण का मौका दिया है, जो तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। यह टीम वर्तमान में चल रही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में छठे स्थान पर है और अगले साल लॉर्ड्स में होने वाले फाइनल में पहुंचने की दौड़ से बाहर है।

गावस्कर ने कहा कि कोहली जब दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने आए तो वह पूरी तरह से सहज थे

नई दिल्ली। विराट कोहली द्वारा 143 गेंदों पर नाबाद शतक भारत द्वारा पर्थ में पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया पर 295 रनों की शानदार जीत हासिल करने में महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक था, महान सुनील गावस्कर ने बताया कि दाएं हाथ का बल्लेबाज दूसरी पारी में अपनी शानदार पारी के दौरान पूरी तरह से आराम में था।

पर्थ स्टेडियम में मैच के तीसरे दिन, कोहली ने थके हुए ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी लाइन-अप का सामना करते हुए ऑस्ट्रेलियाई धरती पर अपना सातवां टेस्ट शतक बनाया और जैक हॉब्स के नौ शतकों के साथ लंबे प्रारूप में दौरा करने वाले खिलाड़ियों में सबसे अधिक शतकों की सूची में वाल्टर हैमंड की बराबरी कर ली।

कोहली का नाबाद शतक, टेस्ट में उनका 30वां शतक, 18 महीने बाद आया। उन्होंने आठ चौके और दो छक्के लगाए। ₹जब वह दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने आया तो उसका शरीर पूरी तरह से आराम में था। पहली पारी में, इस तथ्य के कारण कि भारत ने दो विकेट जल्दी खो दिए थे, वह भी दबाव में था। उस दूसरी पारी में, आप महसूस कर सकते हैं कि उस रुख को बदलने के अलावा, मुझे लगता है कि उसने अपने पैरों को भी बदल दिया, जो शायद शुरूआत में थोड़े चौड़े थे।

बस थोड़ा सा, शायद मैं बहुत ज्यादा सोच रहा हूँ, लेकिन उस छोटी सी चीज ने उसे वह ऊंचाई दी होगी जो वह चाहता था। खैर, ऑस्ट्रेलिया में, उछाल वाली पिचों पर, आपको उस किनारे की जरूरत होती है। मुझे वह मिड-विकेट बाउंड्री पसंद आई जो उसने हेजलवुड की गेंद पर मारी। मेरे हिसाब से, वह सबसे आसान शॉट नहीं था। एक स्ट्रेट ड्राइव थोड़ा आसान होता है क्योंकि आपका रुख ऐसा होता है, लेकिन बस थोड़ा सा खुल कर खेलना - यह सब जादू था। यह एक जादुई शॉट था। कमेंट्री में, मैं कहता रहा, 'इसे फिर से दिखाओ।

गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, ₹इसे फिर से दिखाओ।

तमिल थलाइवाज के खिलाफ पहले हाफ में हमारी क्षमता का पता चला : यूपी योद्धा के सहायक कोच

नोएडा। यूपी योद्धाज ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में प्रो कबड्डी लीग सीजन 11 के मैच 77 में 40-26 के अंतिम स्कोर से पिछड़ने के बावजूद तमिल थलाइवाज के खिलाफ चुनौतीपूर्ण मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन किया।

घरेलू टीम ने शानदार प्रदर्शन किया, विशेष रूप से पहले हाफ में जहां उन्होंने गगन गौड़ा के प्रभावशाली रेड और आशु सिंह के निर्णायक सुपर टैकल की मदद से 17-12 की मजबूत बढ़त बनाए रखी।

योद्धाओं ने आशु सिंह के रणनीतिक सुपर टैकल से मजबूत शुरूआत की, जिसने शुरूआत में गति को उनके पक्ष में बदल दिया। गगन गौड़ा की शानदार डू-ऑर-डाई रेड और उसके बाद तमिल थलाइवाज पर ऑल आउट ने टीम की आक्रामक क्षमता को उजागर किया। घरेलू टीम

ने समन्वित रक्षात्मक प्रयासों और सामरिक गेमप्ले के माध्यम से पहले हाफ में दबदबा बनाए रखा।

सहायक कोच उपेंद्र मलिक ने कहा, ₹शुरू में खेल हमारी रणनीति के अनुसार चला, लेकिन लगातार रक्षात्मक गलतियों ने गति बदल दी। जबकि व्यक्तिगत गलतियां खेल का हिस्सा हैं, लेकिन गलतियों के तेज क्रम, विशेष रूप से पहले ऑल आउट

घरेलू टीम ने शानदार प्रदर्शन किया, विशेष रूप से पहले हाफ में जहां उन्होंने गगन गौड़ा के प्रभावशाली रेड और आशु सिंह के निर्णायक सुपर टैकल की मदद से 17-12 की मजबूत बढ़त बनाए रखी।

के बाद, ने हमारे डिफेंस पर काफी दबाव डाला। स्थिति तब चुनौतीपूर्ण हो गई जब हम हाफटाइम के बाद गति को नियंत्रित नहीं कर सके और ऑल आउट के लगातार होने से हमारी रक्षात्मक ऱणनीति पर असर पड़ा।

मैच के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, ₹आज के खेल ने हमारी क्षमता और सुधार के क्षेत्रों को दिखाया। जबकि हमारे पहले हाफ के प्रदर्शन ने हमारी सामरिक ताकत को प्रदर्शित किया, हमें पूरे मैच में निरंतरता बनाए रखने की आवश्यकता है। हमने पहले तमिल थलाइवाज को हराया है, और हम जानते हैं कि हम क्या करने में सक्षम हैं। हमारा ध्यान अब जयपुर के खिलाफ हमारे आगामी मैच पर है, जहां हम अपनी रणनीतियों के बेहतर क्रियान्वयन का प्रदर्शन करने के लिए दृढ़ हैं।

वबाग कंपनी की लापरवाही के कारण होगा जस्सीपुरा पर बड़ा हादसा : मो.जाकिर अली सैफी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। वार्ड नंबर 95 के क्षेत्र जस्सीपुरा मोड प्राचीन मंदिर श्री दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर के निकासी वाले मार्ग पर लगभग एक वर्ष पूर्व से वबाग कंपनी की लापरवाही से बार-बार सड़क बैठ रही है। इस रास्ते पर गाजियाबाद शहर की टर्नक लाइनें जा रही हैं जिसके अंदर प्लास्टर भी नहीं है।

लाइन पर लोड होने पर लाइन का पानी मैनहोलों की दर्ज में से सड़क की ओर जाता है जिससे आये दिन नगर निगम की लाखों की लागत से बनी हुई सडकें बैठ जाती हैं और कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। इस रास्ते पर स्कूल की बेस मंदिर पर आने जाने वाले श्रद्धालु हजारों लोगों का आगमन रहता है।

हम भी स्वयं पिछले काफी समय से इसकी शिकायत करते आ रहे हैं जिसके उपरांत जल कल जीएम महोदय, अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता अवर अभियंता व वबाग कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर व वबाग कंपनी के सभी अधिकारी काफी बार देख चुके हैं लेकिन इस समस्या का समाधान आज तक नहीं हो पाया है। आये दिन वार्ड के मुख्य रास्तों पर सड़क बैठ जाती है, साथ ही वार्ड संख्य 95 के विभिन्न क्षेत्रों में सीवार लाइनें ओवरफ्लो रहती हैं जिसकी सूचना समय समय देते रहते हैं। वार्ड संख्या 95 के पूर्व पार्षद मो. जाकिर अली सैफी का कहना है कि वबाग कंपनी की लापरवाही के कारण जस्सीपुरा में बड़ा हादसा हो सकता है।

मतदाता सूची को लेकर कमिश्नर ने की समीक्षा
6 जनवरी को होगा अंतिम मतदाता सूची प्रकाशन

हापुड़, करंट क्राइम। हापुड़ में मेरठ मंडल आयुक्त की अध्यक्षता में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के संबंध में बैठक आयोजित हुई। विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की चर्चा हुई।

6 जनवरी 2025 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। जबकि नाम जोड़ने का 29 नवंबर तक अन्तिम दिन है। डीएम प्रेरणा शर्मा ने बताया की मतदाता सूची में प्रति मतदेय स्थल पर कम से कम 10 फार्म प्राप्त की जाए। जिनकी आयु 18 से 19 वर्ष हो गई हैं, के फार्म-6 प्राप्त किया जाना है। इसी प्रकार 10 फार्म-7 प्राप्त होने चाहिए। आवेदन कर्ता को प्राप्ति रसीद अवश्य दे दी जाए।

यह भी निर्देश दिए गए कि अपने सुपरवाइर/ बीएलओ का ग्रुप बना लें। उनसे प्रतिदिन वार्ता करें, जिन बीएलओ के पास फार्म-6, 7, तथा 8 प्राप्त नहीं हुए है। उनसे वार्ता करके फार्म-6, 7 व 8 प्राप्त करने हेतु निर्देशित करें। बीएलओ को यह भी निर्देश दें कि प्रतिदिन मतदाता सूची में सम्मिलित मतदाता के घर जाए। उनसे फार्म भरवाकर प्राप्त कर लें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम ने रोल प्रेक्षक/आयुक्त मेरठ मंडल सेल्वा कुमारी जे को जानकारी देते हुए बताया कि सभी मतदाताओं को निबंध प्रतियोगिता एवं स्वीप कार्यक्रमों के तहत पहचान पत्र बनाए जाने हेतु प्रेरित भी किया जा रहा है।

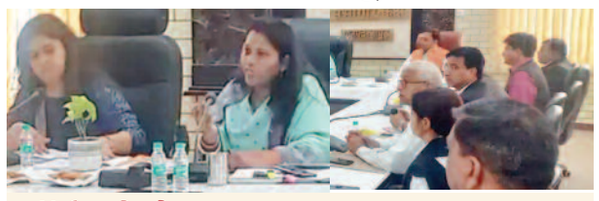

फॉर्म-6 से जोड़ा जाएगा नया नाम

करंट क्राइम। जिला निर्वाचन अधिकारी/ डीएम प्रेरणा शर्मा ने बताया कि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचन नामावलियों का विशेष पुनरीक्षण अभियान शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में बैठक बुलाकर मतदाता सूची पढ़ी जाये और उनकी कार्यवृत्त भी बनायी जाए। जिनकी आयु 18 से 19 वर्ष हो गयी है। मतदाता फार्म-6 भरकर नाम जोड़ा जाए। 80 वर्ष के अधिक मतदाताओं का सत्यापन करके मतदाता सूची मे टैगिंग किया जाए। दिव्यांग मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित किए जाए। ऐसे व्यक्ति जिनकी आयु 01.01.2025 को 18 वर्ष पूर्ण हो गई है विधानसभा निर्वाचक नामावलियों में अपना नाम सम्मिलित कराने हेतु प्रारूप-6 भरा जाएगा। उक्त प्रारूप-6 उपरोक्त कार्यक्रम में दी गई अवधियों में अपने से सम्बन्धित मतदेय स्थल पर नियुक्त बूथ लेविल अधिकारी/मतदान केन्द्र पर नियुक्त पदाभिहित अधिकारी एवं अपनी तहसील से सम्बन्धित मतदाता पंजीकरण केन्द्र पर जमा करना होगा।

जिन्हे मिले हैं वोट वो भी तलाश रहे हैं अपनों में ही खोट

केतली वाले ईवीएम पर ठीकरा फोड़ रहे हैं और उन्हे ईवीएम से ज्यादा उन कसमों पर भरोसा जो उनके सपोर्टर खा रहे हैं कि अजी हमने तो आपको ही वोट दिया था। साईकिल वालों ने कह ही दिया कि सिबंल हाथ का होता तो हाथ वाले जोर लगाते और पुराने सपाई तो साथ ही नही लगे और हाथी वालों ने तो महावत ही चेंज कर दिया। फूल वाले खुश हैं मगर यहां भी बूथ की रिपोर्ट से इस बात का शिजरा निकाल रहे हैं कि किस नेता के बूथ पर फूल ठीक ने नही खिला है। वो लिस्ट बना रहे हैं कि हमें किस किस बूथ पर वोट नही मिला हैं। जो हार गये हैं उनका मलाल तो जायज हैं मगर जीत जाने के बाद भी फूल वालों के यहां बूथ की रिपोर्ट किसके कहने पर तैयार हो रही है।

होता मतदान पचास के पार तो उतर जाता डीएम का बुखार

चुनाव नतीजे आने के बाद तय हो गया कि साईकिल वालों का दलित कार्ड फेल हो गया और गोल टोपी वालों की वोटों के भरोसे पर चल रही साईकिल के साथ खेल हो गया। गोल टोपी वालों ने वोटों को लेकर गोलबंदी ही नही की और वो बिखर गये। वोटो का जहां फ्लो होना चाहिये था वहां वो स्लो हो गये। हाथी वालों को नही होना चाहिये कोई गिला क्योंकि मतदान वाले दिन आधे से ज्यादा दलित वर्ग तो घर से ही नही हिला। जब दलित मुस्लिम समीकरण के बिखरने पर बात चली तो हाथी वालों के नेता ने ही कहा कि फूल वाले पहले दिन से बूथ पर और मतदान पर फोकस कर रहे थे। उन्होने कहा कि शुक्र मनाओं कि साईकिल वालों की जमानत बच गई। उन्होने कहा कि अगर मतदान पचास के पार हो जाता तो आप लिखकर रख लो दलित मुस्लिम एकता का तो बुखार ही उतर जाता। सीधी बात ये है कि हमारा वोट बिखर गया और लीडर परेशान न हो कि वोट किधर गया। उन्होने कहा कि जो जीते हैं उनका वोट पहले से ही एकजुट था और विपक्ष एकजुट ना होकर एकदूसरे के वोट में सेंधमारी करने में जुटा हुया था।

शहर में कौन सा उम्मीदवार चाहता है केसरिया होना

पालिटिक्स में इन दिनो अपोजीशन वाले अब संघर्ष करने के बजाय सरेंडर करते दिख रहे हैं। पहले एक साईकिल वाले ने खुद ही भगवा पटका गले में डाल लिया बाद में फजीहत होने पर मौहल्ला दीदी काम आई। उसे साथ ले कर भगवा दफ्तर गई और वहां जाकर भगवा कमांडर के कर कमलों से उन्हे कमल पटटा पहनवाया और उन्हे भाजपाई घोषित कराया। बीच चुनाव में एक सपाई ने फूल वालों के पोस्टर चिपकाये और खुद ही अपने आप को भाजपा कार्यकर्ता घोषित कर लिया। लेकिन यहां तो सुना है कि एक उम्मीदवार का ही दिल उस दल में नही लग रहा है जिस दल से वो चुनाव लड़े हैं। बताने वाले बताते हैं कि इलेक्शन लड़ने वाले ने केसरिया दरबार में सम्पर्क भी साध लिया है। मगर अभी उन्हे होल्ड पर रखा गया है और वेट करने के लिये बोला गया है।

निवाड़ी में पशुओं के अवेशष मिलने पर हिंदू संगठनों ने किया हंगामा
कहा- स्थानीय पुलिस की मिलीभगत से हो रहा है, अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद के मोदीनगर निवाड़ी मार्ग पर कान्हा एन्कलेव कॉलोनी के पास झाड़ियों में पशुओं के अवशेष पड़े मिले। सूचना पर मौके पर पहुंचे हिन्दू संगठन के कार्यकताओं ने जमकर हंगामा किया। उन्होंने गौवंश होने की संभावना जताई जिसके बाद पुलिस ने अवशेषों को उठाकर गड्ढा खोदकर दबा दिया। पुलिस ने अवशेष को जांच के लिए भी भेज दिया है। निवाड़ी पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मोदीनगर निवाड़ी मार्ग पर कान्हा एन्कलेव कॉलोनी के पास झाड़ियों में गौवंश पशुओं के अवशेष मिलने की सूचना पुलिस को पुलिस। सूचना मिलते ही निवाड़ी व मोदीनगर पुलिस मौके पर पहुंच गई। इसी बीच हिन्दू संगठन के कार्यकर्ता भी एकत्र होकर मौके पर पहुंच गए और उन्होंने जमकर हंगामा किया। उनका आरोप है कि यह सब स्थानीय पुलिस की मिलीभगत से हो रहा है। हंगामा बढ़ता देखकर और पुलिस फोर्स बुला लिया गया। हिन्दू युवा वाहिनी के नीरज शर्मा ने कहा कि निवाड़ी थाना क्षेत्र में आए दिन इस तरह की घटना हो रही है। पुलिस हाथ पे हाथ रखे बैठी है।

इस संबंध में नीरज शर्मा ने पुलिस को तहरीर दी है। एसीपी ने बताया कि निवाड़ी थाने में अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दुबई में नौकरी दिलाने के नाम पर युवक से एकाउंट में ट्रांसफर करवा लिए 1.90 लाख रुपए

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद के मोदीनगर थानाक्षेत्र के गांव गदाना निवासी एक युवक से विदेश में नौकरी लगवाने के नाम पर दो लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। पैसे वापस मांगने पर युवक को जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पीड़ित ने इस संबंध में मोदीनगर थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव गदाना निवासी रजत कुमार परिवार सहित रहते हैं। रजत ने बताया कि काफी समय पहले मेरी मुलाकात बागपत के एक गांव निवासी दो युवकों से हुई थी। युवकों ने कहा कि हम तुम्हारी नौकरी दुबई लगवा देंगे। इसके बाद रजत ने युवकों के खाते में 1.90 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए।

काफी समय बीत जाने के बाद भी जब कोई जबाव नहीं आया। वह जल्द ही काम होने का आश्वासन देते रहे। काम ना होने पर जब रजत ने पैसे वापस मांगे तो आरोपी जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पीड़ित ने इस संबंध में मोदीनगर थाने में तहरीर दी है। एसीपी मोदीनगर ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि मामले को साइबर सेल भेजा जा रहा है। पुलिस जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

आचार्य सुधांशुजी महाराज के प्रवचन कार्यक्रम के लिए भूमि पूजन सम्पन्न

गाजियाबाद, करंट क्राइम। विश्वविख्यात संत एवं समाज सुधारक सुधांशु महाराज के चार दिवसीय विराट भक्ति सत्संग कार्यक्रम के लिए रामलीला मैदान, घंटाघर, गाजियाबाद में गुरुवार को भूमि पूजन कार्यक्रम एवं भण्डारा प्रसाद वितरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें सैकडों शिष्यों ने भाग लिया।

गाजियाबाद मण्डल के प्रधान सुरेन्द्र मोहन शर्मा द्वारा अवगत कराया गया कि प्रवचन कार्यक्रम 5 से 8 दिसंबर 2024 तक चलेगा। जिसमें सुबह 9:00 से 11:00 बजे तक ध्यान साधना एवं सायंकाल 4:30 से 6:30 बजे तक महाराजश्री द्वारा प्रवचन कार्यक्रम हुआ करेगा। उन्होंने यह भी बताया कि जो भक्तगण दीक्षा लेना चाहते हें वह 8 दिसंबर 24 को दोपहर 12:00 बजे दीक्षा ले सकते हैं।

इस कार्यक्रम में कोई भी धर्मप्रेमी भाग ले सकता है। कहने की आवश्यकता नहीं है कि सुधांशुजी महाराज के प्रवचनों को सुनकर हजारों-हजारों व्यक्तियों के जीवन में परिवर्तन आया है और उन्होंने गलत मार्ग को छोड़कर सही मार्ग अपनाकर अपना जीवन धन्य किया है।

इस अवसर पर विशेषतः अजय शर्मा प्रदेश संयोजक भारतीय जनता पार्टी, राजेश गम्भीर संयोजक विश्व जागृति मिशन दिल्ली, सतीश शर्मा प्रधान पूर्वी दिल्ली, सतेन्द्र सिंह महामंत्री, राजकुमार दिवाकर कोषाध्यक्ष, शिशुपाल गंगवार संगठन मंत्री, अरविन्द चौहान, राजकुमार शर्मा एवं रवीन्द्र शर्मा उपस्थित रहे।

मुल्तानीमल मोदी पीजी कॉलिज में हुआ पोस्टर, मेहंदी, रंगोली व चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

मोदीनगर करंट क्राइम। मुल्तानीमल मोदी पीजी कॉलिज में रसायन विज्ञान विभाग की सयुंक्त विभागीय परिषद व महिला प्रकोष्ठ द्वारा पोस्टर, मेहंदी, रंगोली व चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो0 दीपक कुमार अग्रवाल व निर्णायक मंडल मे प्रो0 सीमा राज, प्रो0र सुषमा श्रीवास्तव, डॉ0 अमनपाल सिंह, डॉ0 अरूण कुमार मौर्य व चीफ प्रोक्टर प्रो0 हरीश कुमार ने सयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। एमएससी रसायन विज्ञान विभाग की छात्राओ द्वारा स्वागत गीत के साथ ही विभागीय परिषद के डायरेक्टर डॉ0 राजपाल त्यागी, डॉ0 शिवांगी त्रिवेदी व महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ0 ममता गुप्ता, डॉ0 दीपशिखा द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो0 एमक्यूं अंसारी व मंच संचालन डॉ0 राजपाल त्यागी द्वारा सम्पादित किया गया। कार्यक्रम मे प्रो0 मयंक कुमार, डॉ0 रोहतास कुमार व डॉ0 शिवप्रकाश उपस्थित रहे।

कार्यक्रम मे महिला सशक्तिकरण पर डॉ0 राजपाल त्यागी, डॉ0 ममता गुप्ता, पर्यावरण प्रदूषण पर प्रो0 सुषमा श्रीवास्तव, डॉ0 अरुण कुमार मौर्य व सोशल मीडिया के प्रभाव पर प्रो0 हरीश कुमार द्वारा व्याख्यान दिया। दीपक कुमार अग्रवाल ने छात्र-छात्राओ को पुरस्कृत किया व प्रो0 मयंक कुमार ने सभी आगुंतकों व निर्णायक मंडल का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के अंत मे प्रो0 एमक्यूअंसारी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

रोहित का शुभ विवाह ऋतु के साथ धूमधाम से संपन्न

गाजियाबाद करंट क्राइम। संजय माथुर मीनाक्षी माथुर के सुपुत्र रोहित माथुर का शुभ विवाह विपिन माथुर की सुपुत्री ऋतु के साथ धूमधाम से संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर गणमान्य लोगों ने पहुंच कर वर वधु को आशीर्वाद शुभाशीष प्रदान किया।

कुसुम मनोज गोयल ने प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के कार्यक्रम आयोजित किया

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना जिसमें 70 साल से ऊपर सभी व्यक्तियों का आयुष्मान कार्ड बनाने का शुभारंभ कुसुम मनोज गोयल द्वारा प्राथमिक चिकित्सा केंद्र वैशाली में किया गया। उपस्थित वरिष्ठ जनों का पार्षद ने माला पहनकर स्वागत किया। इस अवसर पर 100 से ज्यादा लोगों ने इस कैंप का लाभ उठाया। वरिष्ठ जनों ने प्रधानमंत्री मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर सभी लोगों को रीति फाउंडेशन द्वारा खाने-पीने की सामग्री वितरित की गई। पार्षद ने प्राथमिक चिकित्सा केंद्र की प्रबंधक डॉक्टर रितु वर्मा का भी आभार प्रकट किया। चिकित्सा केंद्र के स्टाफ मोहित, महावीर, रश्मि, गौरी, पवित्रा का इसमें सहयोग रहा। प्रमुख रूप से समाजसेवी सुभाष शर्मा, एजी अग्रवाल, अवधेश कटियार, सुनील वेद, डॉक्टर नरेंद्र सारस्वत, जूगेश, केएल शर्मा, राजेंद्र गोयल, प्रमोद वर्मा, एससी तिवारी सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

रघुनाथ सहाय ढींगरा की 18वीं पुण्यतिथि पर हुआ भंडारे का आयोजन

मोदीनगर करंट क्राइम। समाजसेवी स्वर्गीय रघुनाथ सहाय ढींगरा की 18वीं पुण्यतिथि पर उनके परिजनों ने मुख्य मार्ग पर स्थित गुरु मेडिकल स्टोर के निकट विशाल भंडारे का आयोजन किया। भंडारे में सैकड़ो लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर समाजसेवी स्वर्गीय रघुनाथ सहाय के परिजन राजकुमार ढींगरा, देवेंद्र ढींगरा, दीपक ढींगरा, विकास ढींगरा, यतीन ढींगरा, कनक, श्रीमती शशि ढींगरा, श्रीमती पूनम ढींगरा व भूमिका ढींगरा आदि गणमान्य लोगों ने स्वर्गीय रघुनाथ सहाय के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके उपरान्त प्रसाद का वितरण किया।

पुलिस प्रशासन और आम नागरिक को होना होगा जागरूक : राजू छाबड़ा

कहा प्रोपर्टी किराये पर देने से पूर्व आईडी क्षेत्र के चौकी इंचार्ज को करायें जमा

गाजियाबाद करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के युवा प्रदेश कोषाध्यक्ष राजू छाबड़ा ने कहा है कि गाजियाबाद शहर के प्रमुख बाजारों में दूसरों जिलों के लोग बहुत बड़ी तादाद पर दुकान और मकान किराए पर ले रहे हैं। ना तो दुकान मालिक और ना मकान मालिक और ना ही प्रशासन द्वारा उनका कोई भी आधार कार्ड या कोई अन्य आईडी प्रूफ लिया जाता है।

अगर किसी प्रकार की कोई घटना हो जाती है तो वह घटना बड़ा रूप ले सकती है और उसके जो आरोपी होंगे, प्रशासन द्वारा उनकी पहचान कैसे की जाएगी यह भी एक बड़ी समस्या होगी। शहर के प्रमुख बाजारों में मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, मेरठ, अलीगढ़, रामपुर और अन्य स्थानों के लोग आकर किराए पर दुकान और मकान ले रहे हैं। उन्होंने कहा हम सभी को इसके लिए जागरूक होना पड़ेगा और जो भी व्यक्ति अपनी मकान या दुकान किराए पर दे, वह उसकी आईडी प्रूफ अपने क्षेत्र की चौकी इंचार्ज को जमा करवाए और अपने पास उसका पूरा बायोडाटा रखें। क्योंकि जिस प्रकार विशेष समुदाय द्वारा बयान बाजी करी जा रही है कि बकाफ बोर्ड की जमीनों को लेकर हम सड़कों पर आएंगे, उसके लिए सबका सर्तक होना बहुत जरूरी है। राजू छाबड़ा ने प्रशासनिक अधिकारियों से भी बाहर से आकर बसने वाले लोगों का सत्यापन करने का भी अनुरोध किया है।

एसआरएम आईएसटी में दो दिवसीय इनोवेशन, डिजाइन व उद्यमिता बूटकैंप का आयोजन 29 नवंबर से

मोदीनगर करंट क्राइम। शिक्षा मंत्रालय का इनोवेशन सेल (एमआईसी). दो दिवसीय इनोवेशन, डिजाइन और उद्यमिता (आईडीई) बूटकैंप के लिए नोडल सेंटर से अधिदेश प्रपत्र अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, शिक्षा मंत्रालय का इनोवेशन सेल, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान, प्रशिक्षण परिषद के साथ साझेदारी में एसआरएम आईएसटी दिल्ली, एनसीआर कैंपस को स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा 29-30 नवंबर को स्कूलों के 200 से अधिक प्रतिनिधियों के लिए दो दिवसीय इनोवेशन, डिजाइन और उद्यमिता बूटकैंप की मेजबानी के लिए एक नोडल सेंटर के रूप में चुना गया है।

इस दो दिवसीय बूटकैंप के दौरान, प्रतिभागियों को अवसरों की पहचान करने, डिजाइन सोच उपकरणों में महारत हासिल करने और ग्राहक केंद्रित उत्पादों या सेवाओं को विकसित करने के लिए आवश्यक कौशल बढ़ाने के लिए मानव.केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने का प्रशिक्षण प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त वे मौलिक व्यवसाय मॉडल का पता लगाएंगे और अपने विचारों, स्टार्टअप, अवधारणाओं के लिए प्रारंभिक गणना करेंगे। बूटकैंप का उद्देश्य भारतीय उद्यमशीलता परिदृश्य और स्कूली बच्चों के लिए पेटेंट दाखिल करने के अवसरों और भारत सरकार द्वारा प्रदान किए गए समर्थन ढांचे के बारे में प्रतिभागियों की समझ को बढ़ाना है। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों और स्कूलों के छात्र नवप्रवर्तकों और नवप्रवर्तन राजदूतों के नवप्रवर्तन, डिजाइन और उद्यमशीलता कौशल का पोषण करना है।

कैम्प का आयोजन आईसीटीई से मदन मोहन शर्मा प्रमुख, नोडल केंद्र सुश्री दामिनी पटनायक समन्वयक, नोडल केंद्र एसआरएम दिल्ली एनसीआर से डॉ0 धौम्या भट्ट नोडल, सेंटर एसपीओसी मुदित दीक्षित प्रतिभागियोंके लिए नोडल सेंटर एसपीओसी एसआरएम आईएसटी के निर्देशक डॉ0 एस विश्वनाथन, डीन डॉ0 आरपी महापात्रा, डीन साइंस एंड ह्यूमैनिटीज डॉ॰ नवीन अहलावत, डीन एफएमएस डॉ0 एनएम मिश्रा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

पूर्व राज्स सभा सांसद बने स्वर्णकार समाज मोदीनगर के मुख्य संरक्षक

मोदीनगर करंट क्राइम। स्वर्णकार समाज मोदीनगर के पदाधिकारियों ने दिल्ली में पूर्व सांसद, राज्यसभा कैलाश सोनी मध्य प्रदेश का सानिध्य प्राप्त किया और संगठन के कार्यों से अवगत कराते हुये उन्हें संगठन का मुख्य सरंक्षक मनोनित किया।

स्वर्णकार समाज मोदीनगर का एक प्रतिनिधि मण्डल संगठन के उपाध्यक्ष हर्षित वर्मा के नेतृत्व में दिल्ली स्थित पूर्व सांसद, राज्यसभा कैलाश सोनी मध्य प्रदेश से मिला। इस दौरान प्रतिनिधि मण्डल ने कैलाश सोनी को संगठन का मुख्य संरक्षक बनने के लिए आग्रह किया गया, जिसे कैलाश सोनी ने सहर्ष स्वीकार किया। और अपनी सेवाऐं देने व संगठन के लिये हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। प्रतिनिधि मण्डल में महर्षि दयानन्द इण्टर कॉलिज के पूर्व प्रधानाचार्य व संगठन के संरक्षक डॉ0 राम नारायण वर्मा, अध्यक्ष मोहित सोनी, उपाध्यक्ष हर्षित वर्मा, सचिव विकास सोनी, कार्यकारिणी सदस्य परमात्मा शरण वर्मा व अजय स्वर्णकार आदि मौजूद रहें।

डॉ बी आर अंबेडकर जन्मोत्सव महानगर समिति ने मनाया संविधान दिवस

गाजियाबाद करंट क्राइम। गत वर्षो की भांति डॉक्टर बी आर अंबेडकर जन्मोत्सव महानगर समिति द्वारा 26 नवम्बर 2024 को डॉक्टर बी आर अंबेडकर जन्मोत्सव पार्क नवयुग मार्केट गाजियाबाद में सामूहिक बुद्ध वंदना का आयोजन और संवैधानिक मूल्यों के प्रति नागरिकों में सम्मान की भावना को जगाने व बढ़ावा देने के लिए गोष्ठि का आयोजन किया गया। गोष्ठी मे सम्मिलित हुए वक्ताओं ने भारतीय संविधान पर प्रकाश डालते हुए संविधान दिवस के बारे मे विस्तार से जानकारी दी। समिति अध्यक्ष ललित दास ने अपने समस्त पदाधिकारीयो को साथ लेकर संविधान दिवस कार्यक्रम मे सम्मिलित हुए लोगों को संविधान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी ने कार्यक्रम में सम्मिलित होकर कार्यक्रम की शोभा को बढ़ाया समिति आप सब का आभार व्यक्त करती है। इस अवसर पर मुख्य रूप से ललित दास, राहुल सिंह, कृपाल सिंह, विक्की आनंद बिल्लू, आर पी सिंह, हर स्वरूप ठेकेदार, एडवोकेट जय सिंह, एडवोकेट आनंद सिंह चंद्रेश, बाबूलाल गौतम, ,भजन लाल, अशोक सेठ, एडवोकेट रवि गौतम पूर्व विधानसभा प्रत्याशी,गौरव गौतम,मोहन गौतम, चंद्र भूषण, राम कुमार, नरेंद्र, गौरव बौद्ध टिंकू, जुगनू गौतम,लोकेश (उर्वशी फोटो फ्रेम), जितेंद्र बौद्ध एडवोकेट जय सिंह, ब्रजमोहन, गार्गी गौतम आदि मौजूद रहे।

देखते ही गोली मारने के आदेश के बाद डरे इमरान समर्थक इस्लामाबाद में किया प्रदर्शन खत्म करने का एलान

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में चल रहे मौत और हिंसा के खेल पर अब विराम लग जाएगा। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने विरोध-प्रदर्शन समाप्त कर दिया है। दरअसल, जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों का हौसला उस समय चकनाचूर हो गया, जब सुरक्षा बलों ने आधी रात को बड़ी कार्रवाई की। जवानों ने इस्लामाबाद में एकत्र हुए उनके हजारों पीटीआई समर्थकों को तितर-बितर करने के लिए अभियान शुरू किया। कार्रवाई के चलते समर्थकों को डी-चौक और राजधानी के आसपास के जिले को खाली करने पर मजबूर होना पड़ा। साथ ही बताया जा रहा कि आधी रात को हुई कार्रवाई में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 50 से अधिक घायल हुए हैं।

प्रदर्शन समाप्त करने के बाद पार्टी की तरफ से कहा गया कि आगे की कार्रवाई का एलान इमरान के मार्गदर्शन पर किया जाएगा। सैकड़ों गिरफ्तारी हुईं पुलिस सूत्रों ने कहा कि लगभग 450 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया था। अभी और गिरफ्तारियों की उम्मीद है। जबकि खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने कहा कि यह सुरक्षा बलों द्वारा प्रदर्शनकारियों पर हिंसक हमला था, जिसमें उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को मारने के इरादे से गोलियां चलाईं। छह पुलिसकर्मी भी मारे गए इससे पहले मंगलवार शाम को पीटीआई समर्थक कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ भिड़ गए और डी-चौक पर धरने पर बैठने में सफल रहे। पुलिस के साथ समर्थकों की झड़प में छह सुरक्षाकर्मी मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। इस दौरान खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर के साथ पेशावर से इस्लामाबाद तक निकाले गए मार्च का नेतृत्व कर रहीं खान की पत्नी बुशरा बीबी ने घोषणा की कि जब तक इमरान खान को जेल से रिहा नहीं किया जाता, तब तक प्रदर्शनकारी वहां से नहीं हटेंगे।

24 नवंबर से चल रहा था प्रदर्शन

पीटीआई समर्थक इस्लामाबाद में सड़कों पर उतरे थे और डी-चौक तक मार्च करना चाहते थे। यह विरोध-प्रदर्शन 24 नवंबर से चल रहा था। प्रदर्शनकारियों ने पहले बैरिकेड तोड़ दिए थे और उच्च सुरक्षा वाले रेड जोन में प्रवेश किया था, जिससे आंसू गैस, गोलियों और सामूहिक गिरफ्तारियों से जुड़े अधिकारियों के साथ झड़पें हुईं। मंगलवार रात की गई कार्रवाई को पार्टी ने 'फासीवादी सैन्य शासन' के तहत नरसंहार बताया।

वीडियो फुटेज में खान के समर्थकों को आंसू गैस का सामना करते हुए और डी-चौक की ओर जाने वाली सड़कों पर रखे कंटेनरों पर चढ़ते हुए दिखाया गया है। आधी रात के करीब पुलिस और रेंजर्स ने ब्लू एरिया कारोबारी इलाके को खाली कराने के लिए अभियान शुरू किया जिसके बाद प्रदर्शनकारियों को बीबी और गंडापुर के साथ वहां से जाने को मजबूर होना पड़ा। पुलिस सूत्रों ने कहा कि कार्रवाई में लगभग 450 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया था और विरोध के समाप्त होने के बाद और अधिक गिरफ्तारियों की उम्मीद है। साथ ही पीटीआई नेताओं को गिरफ्तार करने के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है

हालांकि, गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने कहा कि गंडापुर और बुशरा बीबी भाग गए हैं।

अमेरिकी फर्म में बम विस्फोट का आरोपी 21 साल बाद यूके से गिरफ्तार, पशुओं के खिलाफ क्रूरता से था नाराज

वॉशिंगटन । अमेरिका में साल 2003 में कैलिफोर्निया की एक बायोटेक फर्म में हुए बम धमाके का आरोपी 21 साल बाद यूके से गिरफ्तार किया गया है। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान डेनियल आंद्रेस सैन डिएगो के रूप में हुई है। सैन डिएगो एक पशु अधिकार चरमपंथी है, जिसने पशुओं के खिलाफ क्रूरता से नाराज होकर बम विस्फोट को अंजाम दिया।

यूके के वेल्स से किया गया गिरफ्तार

एफबीआई ने एक बयान में कहा कि संदिग्ध डेनियल आंद्रेस सैन डिएगो को ब्रिटेन की राष्ट्रीय अपराध एजेंसी, आतंकवाद निरोधक पुलिस और उत्तरी वेल्स पुलिस द्वारा एफबीआई के साथ समन्वय में किए गए एक ऑपरेशन के तहत सोमवार को वेल्स में गिरफ्तार किया गया। सैन डिएगो पर अगस्त 2003 में ओकलैंड, कैलिफोर्निया के पास बायोटेक्नोलॉजी फर्म चिरोन इंक में हुए बम विस्फोट के सिलसिले में आरोपी है। साल 2009 में डिएगो को वांछित घोषित किया गया था।

डिएगो ने बायोटेक फर्म में दो बम लगाए थे, लेकिन दूसरे बम को जांच अधिकारियों द्वारा निष्क्रिय कर दिया गया था।

आरोप है कि सैन डिएगो ने बम विस्फोट के एक महीने बाद फिर से कैलिफोर्निया की एक अन्य कंपनी में भी तीसरा बम लगाया था। हालांकि इन बम धमाकों में कोई घायल नहीं हुआ था। रिवोल्यूशनरी सेल्स नामक पशु अधिकार समर्थक संगठन ने इन बम धमाकों की जिम्मेदारी ली थी। सैन डिएगो भी इसका सदस्य था। दरअसल ये संगठन बायोटेक कंपनी के हटिंगडन लाइफ साइंसेज नामक कंपनी के साथ संबंधों से नाराज थे क्योंकि हटिंगडन लाइफ साइंसेज पर पशुओं के खिलाफ क्रूरता करने के गंभीर आरोप लगे थे।

चिन्मय दास की गिरफ्तारी के बाद बवाल जारी, वकील की बेरहमी से की गई हत्या

ढाका । बांग्लादेश इस्कॉन के प्रमुख चिन्मय कृष्ण दास प्रभु की गिरफ्तारी को लेकर बांग्लादेश सरकार की आलोचना हो रही है। उनकी गिरफ्तारी को लेकर ढाका में लगातार बवाल जारी है। इस बीच, यहां के बंदरगाह शहर चटगांव में मंगलवार को झड़प हुई। इसमें एक वकील की कथित तौर पर हत्या कर दी गई।

चटगांव बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नाजिम उद्दीन चौधरी ने कहा कि चटगांव में एक वकील सैफुल इस्लाम आरिफ की हत्या कर दी गई। हालांकि, हत्या का मकसद स्पष्ट नहीं है। वहीं, चटगांव बार एसोसिएशन के महासचिव अशरफ हुसैन रज्जाक ने बताया कि आरिफ की बेरहमी से हत्या की गई है। अपने सदस्य की हत्या के विरोध में बार एसोसिएशन ने बुधवार को अदालती गतिविधियों को निलंबित करने का फैसला किया है।

कानून प्रवर्तन एजेंसियां हाई अलर्ट पर

चटगांव में तनाव के बीच देशभर में कानून प्रवर्तन एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। बांग्लादेश ने चटगांव और राजधानी ढाका में अतिरिक्त बलों की तैनाती की है। चटगांव में हजारों लोग हिन्दू पुजारी चिन्मय ब्रह्मचारी की रिहाई की मांग को लेकर अदालत परिसर में जमा हुए। देशद्रोह का मुकदमा हो चुका दर्ज गौरतलब है, 30 अक्तूबर को बांग्लादेश में राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने के आरोप में देशद्रोह अधिनियम के तहत चिन्मय कृष्ण दास प्रभु समेत 19 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। आरोप है कि 25 अक्तूबर को चटगांव के लालदीघी मैदान में सनातन जागरण मंच ने आठ सूत्री मांगों को लेकर एक रैली की थी। इस दौरान एक चौक पर स्थित आजादी स्तंभ पर कुछ लोगों ने भगवा ध्वज फहराया था। इस ध्वज पर आमी सनातनी लिखा हुआ था। इसे लेकर चिन्मय कृष्ण दास पर राष्ट्रीय झंडे की अवमानना व अपमान करने का आरोप लगाया गया है। पढ़ें पूरी खबर...

प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले दागे

मंगलवार को अदालत द्वारा उनकी जमानत की अर्जी खारिज किए जाने और उन्हें जेल भेजने के आदेश दिए जाने के बाद प्रदर्शनकारियों ने जेल वैन को रोक दिया। पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने उन्हें हटाने के लिए आंसू के गोले दागे और ग्रेनेड दागे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दो घंटे की झड़पों के बाद चिन्मय ब्रह्मचारी को जेल भेज दिया गया।

एक अल्पसंख्यक नेता ने कहा, 'राष्ट्रीय झंडे की अवमानना के आरोप में चिन्मय के खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज किया गया है।

जयशंकर ने एंटनी ब्लिंकन समेत इन नेताओं से की मुलाकात, रणनीतिक साझेदारी समेत कई मुद्दों पर चर्चा

रोम । भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर जी 7 विदेश मंत्रियों की बैठक के आउटरीच सत्र में भाग लेने के लिए 24-26 नवंबर मंगलवार तक इटली की आधिकारिक यात्रा पर थे। जहां मंगलवार को उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात की और दुनिया की स्थिति और भारत-अमेरिका साझेदारी पर चर्चा की जो आगे बढ़ रही है।

एस जयशंकर ने मुलाकात की जानकारी देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मिलना हमेशा अच्छा लगता हैं। इस बार इटली के फिउग्गी में मुलाकात हुई, जिसमें दुनिया की स्थिति और भारत-अमेरिका साझेदारी पर चर्चा की, जो आगे बढ़ रही है।

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जी 7 विदेश मंत्रियों की बैठक के आउटरीच सत्र के दौरान मंगलवार को जापान के विदेश मंत्री ताकेशी इवाया से मुलाकात की। जिसके जानकारी देते हुए उन्होंने एक्स पर लिखा कि आज जापान के विदेश मंत्री ताकेशी इवाया से मिलकर प्रसन्नता हुई। जयशंकर ने आगे लिखा कि हमने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हमारी रणनीतिक साझेदारी और सहयोग को आगे बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

एंटोनियो तजानी से मिले एस जयशंकर
बैठक के दौरान जयशंकर ने इटली के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी से मुलाकात की। जिसको लेकर उन्होंने मंगलवा को अपने सोशल मीडिया पर लिखा कि बैठक के दौरान दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ताए-युल से मुलाकात पर खुशी जताई। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि दक्षिण कोरिया के गणराज्य चो ताए-युल से मिलकर बहुत अच्छा लगा।

डोनाल्ड ट्रंप के कैबिनेट में और भी चेहरे शामिल

वॉशिंगटन । डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिका का नया राष्ट्रपति चुना गया है। वह अगले साल 20 जनवरी को शपथ लेंगे। मगर, इससे पहले वह अपनी टीम का गठन करने में जुटे हुए हैं। उन्होंने टीम में कई नए चेहरों को मौका दिया है। इसमें जैमीसन ग्रीर और केविन ए. हैसेट जैसे नाम शामिल हैं। 'ग्रीर को राष्ट्रीय आर्थिक परिषद का निदेशक बनाया' ट्रंप ने ग्रीर को संयुक्त राज्य अमेरिका व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) के रूप में चुना। साथ ही हैसेट को व्हाइट हाउस राष्ट्रीय आर्थिक परिषद का निदेशक नियुक्त किया। उन्होंने कहा, 'जैमीसन ने मेरे पहले कार्यकाल के दौरान अनुचित व्यापार प्रथाओं से निपटने के लिए चीन और अन्य देशों पर शुल्क लगाने और असफल एनएएफटीए समझौते को यूएसएमसीए से बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है ।

जयशंकर ने हिंद-प्रशांत के लिए सहयोग बढ़ाने पर दिया जोर, जी7 देशों को बताया साझेदार

रोम । विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर क्वाड की स्थापना और इसकी उन्नति को पूरी दुनिया के लिए एक अहम घटनाक्रम करार दिया है। उन्होंने कहा कि हिंद-प्रशांत इस वक्त बड़े बदलावों को अनुभव कर रहा है। इनमें नई साझेदारियां और साझा हितों का साथ आना शामिल है।

इटली के फियुगी शहर में जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक में आमंत्रित जयशंकर ने कहा, ऐसे समय, जब सहयोग बढ़ाने से जुड़ी कोशिशें जारीं हैं, तब हिंद-प्रशांत क्षेत्र को भी व्यवहारिक समाधान, तेज कूटनीति, बेहतर समायोजन और ज्यादा खुली बातचीत की जरूरत है। इस काम में जी7 एक अच्छा साझेदार हो सकता है।

बता दें कि क्वाड समूह ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका का गठबंधन है। इसकी स्थापना हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्वतंत्रता और अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के मकसद से हुई थी। विदेश मंत्री इसी मुद्दे को लेकर जी7 के विदेश मंत्रियों की 24-26 नवंबर को होने वाली आधिकारिक बैठक में भारत की तरफ से बतौर अतिथि पहुंचे।

जयशंकर ने इस सत्र के खत्म होने के बाद कहा, क्वाड का विकास एक अहम घटनाक्रम रहा और हिंद-प्रशांत क्षेत्र का आज का परिदृश्य बड़े स्तर पर सहयोगात्मक दृष्टिकोण के पक्ष में तर्क पेश करता है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर क्वाड की स्थापना और इसकी उन्नति को पूरी दुनिया के लिए एक अहम घटनाक्रम करार दिया है। उन्होंने कहा कि हिंद-प्रशांत इस वक्त बड़े बदलावों को अनुभव कर रहा है। इनमें नई साझेदारियां और साझा हितों का साथ आना शामिल है।

बांग्लादेश में इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने की मांग कोर्ट में लगी याचिका, सरकार जांच में जुटी

ढाका । बांग्लादेश में हिंदू संगठन इस्कॉन को लेकर हाईकोर्ट में एक याचिका दायर हुई है। इस याचिका में इस्कॉन पर प्रतिबंधन लगाने की मांग की गई है। इस पर बुधवार को बांग्लादेश सरकार ने इस्कॉन को धार्मिक रुढ़िवादी संगठन बताते हुए कहा कि वह इसकी जांच कर रही है। बता दें कि बांग्लादेश में यह पूरा घटनाक्रम इस्कॉन से जुड़े चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के मद्देनजर जारी है।

बताया गया है कि इस याचिका पर कोर्ट ने बांग्लादेश के अटॉर्नी जनरल से इस्कॉन की जानकारी मांगी और पूछा कि बांग्लादेश में इसकी स्थापना कैसे हुई। इस पर अटॉर्नी जनरल ने कहा कि यह संगठन कोई राजनीतिक दल नहीं है। यह एक रुढ़िवादी संगठन है। सरकार पहले ही इसकी जांच कर रही है। इसके बाद हाईकोर्ट ने अटॉर्नी जनरल को निर्देश दिया कि वह इस्कॉन पर सरकार का पक्ष रखें और देश में गुरुवार सुबह तक कानूनी स्थिति के बारे में बताएं। कोर्ट ने सरकार से कानून व्यवस्था को और बिगड़ने से रोकने का आदेश दिया।

बांग्लादेश में चिन्मय कृष्ण की गिरफ्तारी के बाद से ही प्रदर्शनों का दौर जारी है। इस्कॉन ने भी बयान जारी कर बांग्लादेश सरकार की निंदा की है। साथ ही इस्कॉन ने बांग्लादेश की सरकार से अपील की है कि उन्हें ऐसा माहौल बनाना चाहिए, जिसमें सभी धर्म-वर्ग के लोग मिलजुलकर रहें। इस्कॉन ने बांग्लादेश के विभिन्न इलाकों में हिंदुओं पर हो रहे हमलों पर भी चिंता जताई।

इस्कॉन ने बांग्लादेश इस्कॉन के प्रमुख चिन्मय कृष्ण दास प्रभु की गिरफ्तारी पर चिंता जाहिर करते हुए बांग्लादेश सरकार की निंदा की। इस्कॉन ने कहा कि हम सरकार से अपील करते हैं कि ऐसा माहौल बनाया जाना चाहिए, जिसमें सभी वर्गों के लोग शांति से साथ मिलजुलकर रहें। इस्कॉन ने कहा कि चिन्मय कृष्ण दास प्रभु बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के अधिकारों के प्रति बहुत मुखर रहे हैं और सरकार को भी नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। इस्कॉन ने सरकार के सामने कुछ मांगें रखी हैं, जिनमें इस्कॉन ने सनातन धर्म के लोगों पर हमले के दोषियों के दोषियों पर कार्रवाई, चिन्मय कृष्ण दास और अन्य सनातनियों के अधिकारों की सुरक्षा, देश में शांति और सद्भाव स्थापित करने के लिए तुरंत कदम उठाने की मांग की गई है।

ऑस्ट्रेलिया में बच्चों को सोशल मीडिया के जाल से बचाने वाला बिल पास; उल्लंघन करने वालों की खैर नहीं

कैनबेरा । आजकल बड़े ही नहीं बल्कि बच्चे भी स्मार्टफोन के आदी हो चुके हैं। सोशल मीडिया सभी की जिंदगी का एक सक्रिय हिस्सा बन गया है, जिसे चाहते हुए भी नजरअंदाज नहीं कर पाते हैं। लोग अपने काम छोड़कर घंटों सोशल मीडिया पर समय गुजारने लगे हैं। जीवन के हर क्षेत्र में इसके बढ़ते प्रभाव के कारण विशेषज्ञ शारीरिक और मानसिक सेहत को लेकर चिंता जाहिर करने लगे हैं। खासकर बच्चों और किशोरों की मानसिक हालत पर इसका खतरनाक असर पड़ रहा है। ऐसे में अब ऑस्ट्रेलिया ने एक बड़ा फैसला लिया है। उसने एक ऐसा विधेयक पारित किया है, जिसके तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया पर प्रतिबंधित किया जा सकता है।

इतने करोड़ डॉलर लगेगा जुमार्ना

कई प्रमुख दलों ने निचले सदन में पेश हुए विधेयक का समर्थन किया है। अब इसके तहत टिकटॉक, फेसबुक, स्नैपचैट, रेडिट, एक्स और इंस्टाग्राम जैसे मंचों पर छोटे बच्चों के खातों पर प्रतिबंध रहेगा। साथ ही अगर ये मंच ऐसा करने में नाकाम रहे तो पांच करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (3.3 करोड़ डॉलर) तक का जुमार्ना लगाया जाएगा। कितने पक्ष में पड़े वोट विधेयक के विपक्ष में 13, जबकि पक्ष में 102 वोट पड़े। अधिक वोट पक्ष में आने पर कानून को पारित कर दिया गया। बता दें, अगर विधेयक इस सप्ताह कानून बन जाता है, तो प्लेटफार्मों को आयु प्रतिबंध करने के तरीके पर काम करने के लिए एक साल दिया जाएगा। इस दौरान जुमार्ना नहीं लगया जाएगा।

विपक्षी सांसद डैन तेहान ने संसद को बताया कि सरकार सीनेट में संशोधनों को स्वीकार करने के लिए सहमत हो गई है जो गोपनीयता की सुरक्षा को मजबूत करेगा। प्लेटफार्मों को उपयोगकताओं को पासपोर्ट या ड्राइविंग लाइसेंस सहित सरकार द्वारा जारी पहचान दस्तावेज देने के लिए मजबूर करने की अनुमति नहीं होगी। प्लेटफॉर्म सरकारी प्रणाली के माध्यम से डिजिटल पहचान की मांग भी नहीं कर सकते।

शहीद स्वर्गीय प्यारे लाल शर्मा की पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन अर्पित

गाजियाबाद करंट क्राइम। पूर्व विधायक स्वर्गीय प्यारे लाल शर्मा की पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया गया। मालीवाड़ा स्थित शहीद स्वर्गीय प्यारे लाल शर्मा पार्क में आयोजित समारोह में उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। पूर्व विधायक सुरेंद्र कुमार मुन्नी के पिता स्वर्गीय पूर्व विधायक प्यारे लाल शर्मा को श्रद्धांजलि देने के लिए समाज सेवा, राजनीति तथा पत्रकारिता से जुड़े लोग पहुंचे। सभी ने स्वर्गीय प्यारे लाल शर्मा को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन रणविजय सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की शासी निकाय की बैठक आयोजित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। दुर्गावती देवी सभागार में जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह के निर्देशन पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन रणविजय सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की शासी निकाय की बैठक आहूत हुई। बैठक के दौरान पीपीटी के माध्यम से बताया गया कि ओ.पी.डी. में विगत वर्ष के सापेक्ष 716261 की वृद्धि हुई एवं आई.पी.डी. विगत वर्ष के सापेक्ष 14177 वृद्धि हुई है। साथ ही प्रति डॉक्टर प्रति दिवस ओपीडी की संख्या 52 है। आशाओं के द्वारा बनाये गए आभा आई.डी. का औसत प्रति आशा 820 है। ई संजीवनी कार्यक्रम में प्रति सीएचओ प्रति दिन किये जाने वाले टेली कंसल्टेशन का औसत राज्य स्टार से दिए गए लक्ष्य 5 के सापेक्ष 5.74 है। मातृत्व स्वास्थ्य कार्यक्रम में एएनसी पंजीकरण में अब तक 80208(120%) का पंजीकरण हुआ है जिसमें से 85 प्रतिशत महिलाओं का प्रथम तिमाही में पंजीकरण हुआ है एवं कुल पंजीकृत महिला में से 5048 गर्भवती महिला को उच्च जोखिम वाली गर्भवती की पहचान करते हुए विशेष ध्यान देते हुए इनका उपचार करते हुए इन्हें संस्थागत प्रसव हेतु प्रेरित किया गया।

इसी प्रकार 59432(93.07%) महिलाओं का राजकीय एवं निजी चिकित्सालयों में सुरक्षित संस्थागत प्रसव हुआ है जिसमे से राजकीय चिकित्सालय में 12434 प्रसव हुए है जिसमें से 10957 लाभार्थियों को जेएसवाई प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया गया। उक्त समस्त राजकीय प्रसव के लाभर्थियों की ऑनलाइन प्रविष्टि मंत्र एप्प में संपन्न कर दी गयी है।

जनपद में अप्रैल से अब तक 22 मातृ मृत्यु की रिपोर्टिंग हुई है जिसमें से समस्त की समीक्षा विभाग द्वारा संपन्न कर ली गयी है। अप्रैल से अब तक 107 प्रतिशत बच्चों को एमआर-1 की खुराक से लाभान्वित किया गया है।

महिला नसबंदी में अब तक कुल 1697 (86.1 %) एवं 23 पुरुष नसबंदी संपन्न की गयी है। एन.एच.एम. के अंतर्गत वितीय व्यय में अब तक प्राप्त बजट के सापेक्ष 83 प्रतिशत का व्यय किया गया है।

उक्त समस्त बिन्दुओं की समीक्षा करते हुए अध्यक्ष महोदय के द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों में जन मानस की सहभागिता हेतु विभिन्न विभागों के साथ उचित समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए साथ ही लाभार्थीपरक राजकीय योजनाओं में लाभर्थियों को प्रोत्साहन राशि का भुगतान समय से करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य रूप से सीएमओ डॉ.भवतोष शंखधर सहित बड़ी संख्या में चिकित्सक/ कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बैठक

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। लखनऊ में भाजपा के संगठन पर्व सक्रिय सदस्यता अभियान को लेकर बैठक आयोजित हुई। भाजपा मुख्यालय पर आयोजित बैठक में किसान मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजा वर्मा एवं भाजपा के प्रदेश मंत्री बसंत त्यागी मौजूद रहे। इस मौके पर उन्होंने अभियान की बारिकीयों को जाना। बताया जाता है कि आगामी संगठन चुनाव को देखते हुए प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों को कई प्रभार दिये जाने है।

गन्ना समिति मोदीनगर परिसर में बैठक आयोजित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गन्ना समिति मोदीनगर परिसर में गुरुवार को बैठक आयोजित हुई जिसमें समस्त डायरेक्टर डीसीओ गाजियाबाद, सचिव मोदीनगर समिति व समस्त गन्ना पर्यवेक्षक तथा किसान उपस्थित रहे। बोर्ड बैठक में शुगर मिल मोदीनगर से तय हुआ 25 दिसंबर तक पिछले वर्ष का पूर्ण भुगतान किसानों का कर दिया जाएगा। ओवरलोड गन्ने के ट्राला पर भी वजन सीमा निर्धारित की गई। किसानों की समस्याओं के समाधान को लेकर चर्चा हुई।

मोदीनगर समिति में किनौनी शुगर मिल का पूर्ण पिछला पूर्ण भुगतान गुरुवार को पूरा कर दिया गया। इस मौके पर अध्यक्ष राजन चौधरी व समस्त डायरेक्टर जिला गन्ना अधिकारी गाजियाबाद, शुगर मिल के अधिकारी व गौरव हुड्डा, लोकेंद्र चौधरी, विनय त्यागी, पुनिश चौधरी उपस्थित रहे।

देहरादून से आनंद विहार जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर किया गया पथराव, दो कोच के शीशे टूटे

गाजियाबाद करंट क्राइम। देहरादून से आंनद विहार जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर मोदीनगर की श्रीनगर कॉलोनी के पास बुधवार को पत्थरबाजी की गई। पत्थरबाजी के कारण ट्रेन के दो कोच के शीशे टूट गए। पत्थरबाजी से यात्रियों में हड़कंप मच गया। किसी यात्री ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर घटना की जानकारी दी। आरपीएफ ने घटना की रिपोर्ट दर्ज की है। दिल्ली-सहारनपुर रेल मार्ग पर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन देहरादून से आंनद विहार जा रही थी। ट्रेन बुधवार सुबह करीब 11 बजे मोदीनगर की श्रीनगर कॉलोनी के सामने से गुजर रही थी, तभी ट्रेन पर पत्थरबाजी की गई।

बैठक

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। लखनऊ में भाजपा के संगठन पर्व सक्रिय सदस्यता अभियान को लेकर बैठक आयोजित हुई। भाजपा मुख्यालय पर आयोजित बैठक में विधायक एवं महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा, महामंत्री पप्पू पहलवान, महामंत्री गोपाल अग्रवाल, महामंत्री सुशील गौतम एवं क्रासिंग मंडल प्रभारी संदीप त्यागी ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी।

राहुल गांधी के संभल जाने की आशंका से प्रशासन सतर्क

गाजियाबाद करंट क्राइम। संभल हिंसा पर जहां एक तरफ राजनीतिक बयान बाजी तेज हो रही है तो वहीं राजनीतिक दल के नेता संभल जाने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसी प्रयास में दो दिन पहले गाजियाबाद से जाते हुए हापुड़ में सांसद चंद्रशेखर आजाद को भी रोका गया था। बताया जा रहा है कि पुलिस को इनपुट मिले हैं कि राहुल गांधी भी संभल जा सकते हैं। इसको लेकर यूपी गेट से लेकर डासना तक पुलिस फोर्स तैनात है। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि राहुल गांधी को संभल नहीं जाने दिया जाएगा। गाजियाबाद में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि राहुल गांधी के संभल जाने की संभावना है। संभल में किसी भी बाहरी व्यक्ति, राजनीतिक दल के नेता के जाने पर पाबंदी है।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। देवेंद्र हितकारी ने श्रीधाम वृंदावन में श्री बांके बिहारी जी की देहरी दर्शन किए। परिक्रमा प्रसादम छप्पन भोग आशीर्वाद प्राप्त किया। इस आस्था श्रद्धा भक्ति भाव को उन्होंने फेसबुक पर साझा किया। धर्म संस्कृति सनातन का संदेश देती यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

- क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा हुए सलमानी जी दिल से भी हैं रईस? जब भी मौका कुछ बोलने का आता है तो वो बाद करते हैं सटीक? हमने देखा उन्होंने सपा के एक पूर्व अध्यक्ष के सामने भगवा होने के कारण कर दिये स्पष्ट? कहा इससे पहले मैं जिन भी दलों में रहा हूं वहां सामने वाले तू कहकर बुलाते थे? जिससे होता था मुझे बहुत कष्ट? मगर जब से आई है जबसे मुझ पर भगवा बहार? तब से तमीज वाला मिल रहा है हर किरदार? जो भी करता है वो आप कहकर करता है बात? इसलिए हमारा दिल बोलता है भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि जैसे ही जानना चाही हर बार बूथ को विजयी करने वाले सपा नेता से किसी ने रिपोर्ट? तब इस बात को इन सपा नेता ने भी किया गंभीरता से नोट? कहा हम कर देंगे हम अपने बूथ पर पड़ी हुई वोट को आम? पहले हमें ये तो बताओ सिंह का राज करने वाले चेहरे को कितना मिला है अपने बूथ पर वोटों का ईनाम? जिस दिन वो कर देंगे खुलासा? उस दिन हम नहीं देंगें तुम्हें किसी भी तरह की दिलासा?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि हम तो चाहते हैं टीटू जी भगवा हो जायें और जला कर रखें पंजाबी समाज को कुछ मिलने का अलख? हमने देखा जब भी वो होते हैं भगवा वालों के कार्यक्रम में शामिल? उनका अंदाज होता है एकदम अलग? चुनाव कार्यालय पर जब सजा था कमांडर की जीत का मंच? हमने देखा मंच पर टीटू भैया ने पहली पंक्ति में बैठकर मामला किया हुआ था टंच? एसपी सिंह जी तमाम प्रयासों के बावजूद नहीं पकड़ पा रहे थे पहली पंक्ति? इसलिए हमें लगता है टीटू जी को भगवागढ़ की राजनीति ही है जमती?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि इन दिनों लखनऊ में विधायक + कमांडर के साथ डटे हुए नजर आ रहे हैं दो महामंत्री साथ-साथ? जहां भी कमांडर प्रकट करने जा रहे हैं आभार? वहीं पर हो रहा है साथ-साथ दोनों का दीदार? कहने वाले ने कहा जिस तरह इन दोनों की पूरी शिद्दत से कमांडर करा रहे हैं मुलाकात? ऐसा लग रहा है दोनों में से किसी एक की बन जायेगी बात? साथ चलने वाली पहले की मुलाकातों ने भी दिखाया है बाद में बहुत असर? देखना इस बार भी होगा कुछ सोची समझी रणनीति के तहत ही, बाकी नहीं रहेगी कोई भी कसर?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि सांसद जी हो रहे हैं दिल्ली शिफ्ट? मगर इस शिफ्टिंग में पक्ष और विपक्ष के लोगों के चेहरों पर ला दिया है ट्विस्ट? कहने वाले ने कहा अब खूब जमेगा गाजियाबाद में मेंहदी का रंग? इस तरह की चर्चाओं ने किया हुआ है कई दिलजलो को दंग? कहने वाले कह रहे हैं अब तो और भी ज्यादा मजबूत हो जायेगी गर्ग साहब के खास चेहरे की बात? क्योंकि गाजियाबाद में इस चेहरे से तो दिल्ली में होगी गर्ग साहब से मुलाकात?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि इसमें कोई शक नहीं कि विधायक अजीत पाल त्यागी अपने एक-एक कार्यकर्ता का रखते हैं ख्याल? मगर ये भी सच है कि राजनीति की फिल्ड पर वो सोच समझ कर अपने शब्द निकालते हैं बाहर? कहने वाले ने कहा अगर पार्टी करेगी प्रेम त्यागी, बॉबी त्यागी, राजेश त्यागी में से किसी एक नाम पर विचार? हम तो बस इतना जानना चाहते हैं, इन चेहरों में से किसके पक्ष में रहेगा विधायक जी का किरदार? वो यहां पर देंगे किसका साथ? ये बात जानना चाहता है आज और अभी गाजियाबाद?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा कमांडर के विधायक बनने के बाद साहब का मूवमेंट हो गया है गाजियाबाद में कम? हमें तो चिंता उनके समर्थकों की है कि आखिर कैसे ये सब चेहरे भरेंगे अपनी राजनीति में दम? मुराद पूरी ना होने वाले कैडे वाले त्यागी जी क्या चलेंगे अगला दांव? बिना साहब की गैर मौजूदगी के कैसे मजबूत होगा उनका भगवा राजनीति में भाव? उनका तो काफी बढ़ जायेगा संघर्ष? कैसे देंगे अब वो भगवागढ़ में आगे बढ़ने के तर्क?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि बर्थडे सेलीब्रेट करने के बाद भगवा झा ने करा दिया अपनी ताकत का एहसास? उन्होंने सबको प्यार से बुलाया? सबने उनके बर्थडे पर पहुंचकर कराया अपनेपन का एहसास? हम तो मौके पर पहलवान की मौजूदगी को देखकर भी हो गये थे हैरान? मगर रेस्लर ने दिये यहां पर बड़े दिल का पैगाम? हमने देखा भगवा झा ने तुरंत पहलवान के गले में माला डालकर किया स्वागत? पहलवान ने भी तुरंत इस माला को झा के गले में डालकर चुका दी लागत? दे दिया मौके पर ही संदेश, बस इससे ज्यादा तुमको आक्सीजन नही दे पायेगा हमारा फेस?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवागढ़ में चल रहा है ब्राह्मण दावेदारी को लेकर भी नाम? हम चाहते हैं यहां पर अध्यक्ष पद को लेकर मजबूत होना चाहिए महानगर के मंत्री धीरज शर्मा का भी पैगाम? इस चेहरे ने भी अपनी सक्रियता का दिया है समय-समय पर संदेश? वैसे भी पढ़ा लिखा सा है ये फेस? गुटबाजी से भी ये चेहरा रहता है दूर? ऐसे में इस चेहरे की भी चर्चा ऊपर के गलियारों में होनी चाहिए भरपूर?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि चुनावों में कुछ कम एक्टिव थे एक भाजपा वाले? पता चला है विपक्ष के उम्मीदवार के वो लगते थे धर्म के साले? शादी में किया था उन्होंने शादी में किया था उन्होंने कन्यादान? बहुत ही शिद्दत से वो उम्मीदवार से अपने रिश्तों को देते हैं सम्मान? जो भी हो रिश्ते तो आखिर रिश्ते होते हैं? जहां रिश्तों की बात आती हैं वहां कमजोर पड़ जाता है राजनीति का पैगाम?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।